यूपीआरटीओयू
मुक्त चिंतन

न्यूज लेटर

01 जनवरी, 2018

नववर्ष में कर्मचारियों को मिलेगा आवास का तोहफा–कुलपति

इलाहाबाद । उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में नववर्ष के अवसर पर कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुये मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने कहा कि उन्हें शीघ्र ही आवासीय सुविधा प्रदान की जायेगी। कर्मचारियों ने आज कुलपति प्रो0 दुबे को नववर्ष की बधाई देते हुये कहा कि उनके नेतृत्व में मुक्त विश्वविद्यालय ने पिछले तीन वर्षो में अभूतपूर्व उपलब्धि अर्जित की। प्रो0 दुबे ने कहा कि अभी बहुत कुछ करना शेष है। उन्होंने कहा कि इस महंगाई के दौर में किराए के मकान में रह रहे कर्मचारियों की परेशानियों को समझते हुए कर्मचारी आवास की आधारशिला गत वर्ष रखी गयी थी। कर्मचारी आवास अब बनकर तैयार है। उन्होंने कहा कि नववर्ष के प्रारम्भ में कर्मचारियों को आवासीय सुविधा प्रदान की जाएगी। कुलपति प्रो0 दुबे को कुलसचिव प्रो0 (डॉ0) जी0एस0 शुक्ल, वित्त अधिकारी श्री एस0पी0 सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी,, डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, डॉ0 पी0पी0 दुबे, डॉ0 ओमजी गुप्ता, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी, डॉ0 आशुतोष गुप्ता, डॉ0 विनोद गुप्त, डॉ0 राजेश पाण्डेय, इं0 सुखराम मथुरिया, डॉ0 रामजी मिश्र, डॉ0 इति तिवारी, डॉ0 श्रुति, श्री के0सी0 खुल्लर एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारियों आदि ने शुभकामना देते हुए विश्वविद्यालय के विकास में उनके योगदान की सराहना की।

मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, डॉ0 श्रुति, डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, डॉ0 श्रुति, डॉ0 रामजी मिश्र, डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता, डॉ0 अब्दुल हफीज, डॉ0 सतीश जैसल एवं डॉ0 साधना श्रीवास्तव

मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए प्रशासन अनुभाग के कर्मचारीगण।

मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए परीक्षा विभाग के कर्मचारीगण।

मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए निदेशकगण।

मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुएसमाज विज्ञान विद्या शाखा के शिक्षकगण एवं पर्व वित्त अधिकारी श्री एस0के0 त्रिवेदी।

AMAR UJALA
ALLAHABAD
31-12-2017

तेजी से आगे बढ़ा मुक्त विवि: प्रो. एमपी दुबे

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में वर्ष 2017 के समापन और नए वर्ष के आगमन के उपलक्ष्य में शनिवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि बीते वर्ष मुक्त विवि ने अलग पहचान बनाई। इसके पीछे यहां के कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों की मेहनत है। कहा कि विश्वविद्यालय को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया ज रहा है। इसमें आईसीटी की विशेष भूमिका है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वर्ष 2018 में विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। इस मौके पर डॉ. ओमजी गुप्ता, डॉ. आशुतोष गुप्ता, प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, एसपी सिंह, डॉ. विनोद गुप्ता आदि मौजूद रहे। संचालन डॉ. आरपीएस याद एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. जीएस शुक्ल ने किया।

e-paper : www.dailynewsactivist.com
website : www.dnahindi.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट
शब्द शब्द संघर्ष
RNI NO.: UPHIN/2007/42669
संस्करण : लखनऊ ▪ इलाहाबाद

8 अमेरिका की नई सुरक्षा रणनीति और भारत 9 रजनीकांत के सियासी एलान से मची हलचल 16 परमाणु हथियारों का बटन मेरी टेबल पर : किम

14 नववर्ष के पहले दिन पहली बार चैंपियन बना विदर्भ

नववर्ष में मुविविकर्मियों को मिलेगा आवास

डेली न्यूज़ नेटवर्क

इलाहाबाद। । उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) में नववर्ष के अवसर पर कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुये कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि उन्हें शीघ्र ही आवासीय सुविधा प्रदान की जायेगी। कर्मचारियों ने आज कुलपति प्रो. दुबे को नववर्ष की बधाई देते हुये कहा कि उनके नेतृत्व में मुविवि ने पिछले तीन वर्षों में अभूतपूर्व उपलब्धि अर्जित की। प्रो. दुबे ने कहा कि अभी बहुत कुछ करना शेष है। उन्होंने कहा कि इस महंगाई के दौर में किराए के मकान में रह रहे कर्मचारियों की परेशानियों को समझते हुए कर्मचारी आवास की आधारशिला गत वर्ष रखी गयी थी। कर्मचारी आवास अब बनकर तैयार है। उन्होंने कहा कि नववर्ष के प्रारम्भ में कर्मचारियों को आवासीय सुविधा प्रदान की जाएगी। कुलपति प्रो. दुबे को कुलसचिव प्रो. जीएस शुक्ल, वित्त अधिकारी एसपी सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. जीके द्विवेदी, मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र, डॉ. इति तिवारी, डॉ. आरपीएस यादव, डॉ. श्रुति, डॉ. रामजी मिश्र, इन्दुभूषण पाण्डेय, केसी खुल्लर, डॉ. पीपी दुबे, डॉ. ओमजी गुप्ता, प्रो. पीके पाण्डेय, प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, डॉ. आशुतोष गुप्ता आदि ने शुभकामना देते हुए विश्वविद्यालय के विकास में उनके योगदान की सराहना की।

इलाहाबाद 02-01-2018
http://www.dailynewsactivist.com

डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

दैनिक जागरण

नए संकल्प के साथ बनाएं कार्ययोजना : राम नाईक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : नववर्ष के पहले दिन राज्यपाल राम नाईक ने राजभवन में मंत्रियों, अधिकारियों, गणमान्य जनों व नागरिकों से भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। साल के पहले दिन जहां बड़ी संख्या में लोग राजभवन पहुंचे, नाईक ने भी सबका स्वागत गर्मजोशी से किया। मुख्यमंत्री योगी के शहर से बाहर होने के कारण लोग उनसे तो नहीं मिल सके लेकिन मुख्य सचिव राजीव कुमार के कार्यालय से लेकर अन्य अपर मुख्य सचिवों व प्रमुख सचिवों के कक्षों तक बधाइयों की गहमागहमी और रौनक बनी रही।

नए साल के पहले दिन राज्य सरकार का सचिवालय उल्लास से भरा रहा। अचानक बढ़ी सर्दी और नदारद सूर्य ने दिन को देर से शुरू किया और शाम ढलने से पहले छाये धुंधलके ने सचिवालय के दफ्तरों में वक्त से पहले सन्नाटा घोल दिया। इससे पहले दिन में भी एक-दूसरे को मुबारकबाद का दौर चलता रहा। राजभवन में राज्यपाल को बधाई देने जाने वालों में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री रीता बहुगुणा जोशी, विधायक सुरेश चंद्र श्रीवास्तव, मुख्य सूचना आयुक्त जावेद उस्मानी, जल निगम अध्यक्ष जी.पटनायक, प्रमुख सचिव वित्त अनूप चंद्र पांडेय, प्रमुख सचिव खादी नवनीत सहगल, प्रबंध निदेशक लखनऊ मेट्रो कुमार केशव सहित अन्य विभागों के प्रमुख सचिव व सचिव शामिल थे। कुलपति प्रो.एसपी सिंह, कुलपति प्रो. एमएलबी भट्ट, कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक, कुलपति डॉ.निशिथ राय, कुलपति प्रो.माहरूख मिर्जा, पूर्व मंत्री अम्मार रिजवी, संस्थानों के निदेशक, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने भी राज्यपाल को बधाई दी।

राजभवन में राज्यपाल राम नाईक को नववर्ष की बधाई देते उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

पहले दिन फूलों के साथ खूब चला बधाइयों का दौर

इलाहाबाद | निज संवाददाता

साल के पहले दिन बधाई देने का सिलसिला चलता रहा। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में नववर्ष के अवसर पर शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने कुलपति प्रो. एमपी दुबे से भेंट कर शुभकामनाएं दी।

कुलपति ने कहा कि कर्मचारियों को जल्द ही आवासीय सुविधा प्रदान की जाएगी। कर्मचारी आवास की आधारशिला पिछले साल रखी गयी थी जो अब बनकर तैयार है। शिक्षा निदेशालय में अपर शिक्षा निदेशक बेसिक विनय कुमार पांडेय ने सचिव बेसिक शिक्षा परिषद संजय सिन्हा को फूल भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी। यूपी बोर्ड की सचिव नीना श्रीवास्तव को अपर सचिव प्रदीप कुमार व शिव लाल और माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के उपसचिव नवल किशोर ने बधाई दी। दूसरे कार्यालयों में अधिकारियों व कर्मचारियों ने एक-दूसरे को नववर्ष की बधाई दी।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सोमवार को कर्मचारियों ने कुलपति प्रो. एमपी दुबे (सबसे दाएं) को गुलदस्ता भेंटकर नववर्ष की बधाई दी। ● हिन्दुस्तान

हर व्यक्ति ले नया संकल्प : नाईक

राज्यपाल राम नाईक।

लखनऊ। राज्यपाल राम नाईक से सोमवार को राजभवन में बड़ी संख्या में गणमान्य सहित आम लोगों ने मुलाकात कर नववर्ष की बधाइयां दीं। राज्यपाल ने भी सभी का बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया। श्री नाईक ने कहा कि नए वर्ष का पहला दिवस आत्मावलोकन का दिन होता है जिसमें नए संकल्पों के साथ आगे की कार्ययोजना बनानी चाहिए।

हर व्यक्ति नए वर्ष में एक नए संकल्प का चयन करें और उसे पूरा करने का प्रयास करें। यह संकल्प खुद में बदलाव लाने का भी हो सकता है। स्वयं में बदलाव लाने पर सामूहिक तौर पर अच्छा परिणाम हो सकता है।

हिन्दुस्तान

जनसंदेश टाइम्स
परख सच की

नववर्ष में कर्मचारियों को मिलेगा आवास का तोहफा : कुलपति

कुलपति को नववर्ष की बधाई देते लोग

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में नववर्ष के अवसर पर कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कुलपति प्रो.एमपी दुबे ने कहा कि उन्हें शीघ्र ही आवासीय सुविधा प्रदान की जायेगी। सोमवार को कर्मचारियों ने कुलपति प्रो. दुबे को नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में मुक्त विश्वविद्यालय ने पिछले तीन वर्षों में अभूतपूर्व उपलब्धि अर्जित की। प्रो. दुबे ने कहा कि अभी बहुत कुछ करना शेष है। इस महंगाई के दौर में किराए के मकान में निवास कर रहे कर्मचारियों की परेशानियों को समझते हुए कर्मचारी आवास की आधारशिला गत वर्ष रखी गयी थी, जो अब बनकर तैयार है। उन्होंने कहा कि नववर्ष के प्रारम्भ में कर्मचारियों को आवासीय सुविधा प्रदान की जाएगी। कुलपति को कुलसचिव प्रो. जीएस शुक्ल, वित्त अधिकारी एसपी सिंह, परीक्षा नियंत्रक डा. जीके द्विवेदी, मीडिया प्रभारी डा. प्रभात चन्द्र मिश्र, डाइति तिवारी, डाआरपीएस यादव, डाश्रुति, डारामजी मिश्र, इन्दुभूषण पाण्डेय, केसी खुल्लर, डापीपी दुबे, डाओमजी गुप्ता, प्रोपीके पाण्डेय, प्रोसुधान्शु त्रिपाठी, डाआशुतोष गुप्ता आदि ने शुभकामना देते हुए विश्वविद्यालय के विकास में उनके योगदान की सराहना की।

नई ऊंचाईयों को छुएगा यूपीआरटीओयू

जासं, इलाहाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में वर्ष 2017 के समापन व नए वर्ष 2018 के शुभागमन के उपलक्ष्य में शनिवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने बीते एक वर्ष में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इसके पीछे यहां के कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों की मेहनत है। मुक्त विश्वविद्यालय ने आज जो मुकाम हासिल किया है वह सबके सहयोग से ही सम्भव हो सका। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में नई नई तकनीकी का प्रयोग किया जा रहा है, जिसमें आइसीटी की विशेष भूमिका है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले वर्ष 2018 में भी मुक्त विश्वविद्यालय नई ऊंचाईयों को प्राप्त करेगा। पर डॉ. ओमजी गुप्त, डॉ. आशुतोष गुप्ता, प्रो. सुधान्शु त्रिपाठी, वित्त अधिकारी एसपी सिंह, डॉ. विनोद गुप्ता आदि ने विचार व्यक्त किए।

यूपीआरटीओयू
मुक्त चिंतन

न्यूज लेटर

06 जनवरी, 2018

यशस्वी कुलपति जी को विश्वविद्यालय परिवार की तरफ हार्दिक शुभकामनाएं

दिनांक 06 जनवरी, 2018 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति जी का जन्मदिन विश्वविद्यालय परिवार ने बहुत ही धूमधाम से मनाया। और इस अवसर पर उन्हें दीर्घायु एवं इसी तरह राष्ट्र सेवा में समर्पित रहें, इसके लिए ईश्वर से कामना की। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक एवं विश्वविद्यालय के समस्त कार्मचारियों ने मा0 कुलपति जी का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया। इसी क्रम विश्वविद्यालय के निदेशकगण, शिक्षकगण एवं अधिकारियों ने भी मा0 कुलपति जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर मा0 कुलपति जी ने सभी का आभार व्यक्त किया। एवं सभी को अभिप्रेरित किया की विश्वविद्यालय के उत्थान हेतु इसी प्रकार भविष्य में भी कार्य करते रहें।

यशस्वी कुलपति जी के जन्मदिन के अवसर पर पुष्पगुच्छ प्रदान करते हुए परीक्षा नियंत्रक एवं विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षकगण, समस्त कार्मचारीगण साथही जन्मदिन का केक काटते हुए मा0 कुलपति जी

यशस्वी कुलपति जी के जन्मदिन कुछ झलकियां

''मिलने के बहाने'' इस कार्यक्रम का आयोजन श्रीमद्आर्यावर्त विद्वत्वपरिषद् एवं बायोवेद शोध संस्थान, इलाहाबाद के संयुक्त तत्त्वाधान में बायोवेद के सभागार में सम्पन्न हुआ। अवसर था उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. एम.पी. दुबे जी के जन्मदिन का। इस अवसर पर प्रो. दुबे. को शॉल, श्रीफल एवं अभिनन्दन पत्र संस्था के अध्यक्ष महामहोपाध्याय डॉ. रामजी मिश्र ने प्रदान कर सारस्वताभ्यर्चन किया एवं उनके दीर्घायुष्य की कामना की। साथ ही इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ. आर.पी.एस. यादव एवं मानविकी विद्याशाखा के समस्त शिक्षक व कर्मचारियों की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बायोवेद के निदेशक डॉ. वी.के. द्विवेदी, महामहोपाध्याय डॉ. रामजी मिश्र, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. जी.एस. शुक्ल, वित्त अधिकारी श्री एस.पी. सिंह, उपकुलसचिव डॉ. राजेश पाण्डेय, निदेशक एवं उपनिदेशक मानविकी विद्याशाखा क्रमशः डॉ. आर.पी.एस. यादव व डॉ. विनोद कुमार गुप्ता एवं विश्वविद्यालय परिवार के प्राध्यापक डॉ. संतोषा कुमार, डॉ. साधना, डॉ. सतीश जैसल, डॉ. अतुल मिश्रा डॉ. अब्दुल हाफिज तथा डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्रा एवं श्री इन्दुभूषण पाण्डेय उपस्थित रहें। इसके अतिरिक्त इलाहाबाद नगर के प्रबुद्ध नागरिक एवं शिक्षाविद् उपस्थित रहें।

विश्वविद्यालय परिवार के एवं इलाहाबाद नगर के विद्वतजनों ने इस अवसर पर अपने–अपने विचार व्यक्त किए तथा मा0 कुलपति जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दिया तथा सभी ने अपने उद्बोधन में मा0 कुलपति जी के कार्यों की भूरि–भूरि सराहना की और कहा की आपके कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने आशातित प्रगति की है। सभी ने आपकों एक आदर्श पुरूष की संज्ञा दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 राजेन्द्र त्रिपाठी (रसराज) जी ने किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 राजेन्द्र त्रिपाठी (रसराज) जी एवं मचांसीन अतिथिगण।

सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए मा0 कुलपति प्रो. एम.पी. दुबे जी एवं सरस्वती वन्दना करते हुए डॉ0 रजनीश जी।

यशस्वी कुलपति प्रो. एम.पी. दुबे जी के जन्मदिन की एक झलक

कार्यक्रम के बारे में एवं अपने विचार व्यक्त करते हुए महामहोपाध्याय डॉ. रामजी मिश्र

मा0 कुलपति
प्रो. एम0पी0 दुबे जी
को
शॉल, श्रीफल एवं अभिनन्दन पत्र
प्रदान करते हुए
संस्था के
अध्यक्ष
महामहोपाध्याय डॉ. रामजी मिश्र ।

मा0 कुलपति
प्रो. एम0पी0 दुबे जी
को बायोवेद संस्थान
द्वारा
निर्मित लालटेन
प्रदान करते हुए
बायोवेद के
निदेशक
डॉ. वी.के. द्विवेदी

मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ. आर.पी.एस. यादव एवं मानविकी विद्याशाखा के समस्त शिक्षक व कर्मचारी।

विश्वविद्यालय परिवार के एवं इलाहाबाद नगर के विद्वतजनों अपने–अपने विचार व्यक्त करते हुए

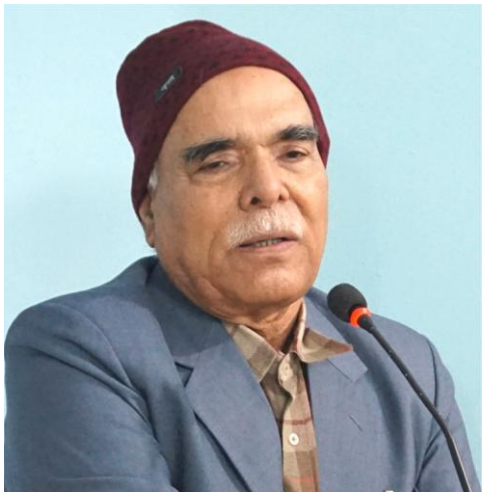

मा0 कुलपति जी ने कहा कि जीवन में यदि अपने उत्कृष्टतम लक्ष्य को प्राप्त करना है तो इसके लिए ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठता एवं समरसता को अपने जीवन में आत्मसात् करने की जरूरत है। जिस व्यक्ति ने इसे आत्मसात् कर लिया उस व्यक्ति के जीवन में सफलता निसंदेह उसके कदम चूमेगी।

अपने विचार व्यक्त करते हुए एवं धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बायोवेद शोध संस्थान के निदेशक डॉ0 बी0के0 द्विवेदी

दैनिक भास्कर
सोमवार, 8 जनवरी 2018 लखनऊ

इलाहाबाद

श्रीमद् आर्यावर्त विद्वत्परिषद एवं बायोवेद शोध संस्थान द्वारा उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एम.पी.दूबे का सारस्वत सम्मान किया गया।

परख सच की
जनसंदेश टाइम्स
दूसरी पारी में हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे: पुजारा - 13
आसियान देशों के साथ आगे बढ़ेगा भारत : सुषमा - 15

इलाहाबाद

संगम तट की सुन्दरता देख अभिभूत हुये महामहिम राज्यपाल

दर्शन

गंगा और यमुना तट का आकर्षण अद्भभूत है - महामहिम राज्यपाल श्री राम नाईक

संगम तट पर की गयी प्रकाश सफाई, शौचालय की व्यवस्था की सराहना

संगम के रेती पर मां गंगा का दर्शन करने पहुंचे महामहिम व कैबिनेट मंत्री

इलाहाबाद। माघ मेला के भ्रमण के निमित पहुंचे महामहिम राज्यपाल राम नाईक जी मेला की व्यवस्था तथा गंगा और यमुना के मनोरम तटों को देखकर प्रयाग के गंगा और यमुना के आकर्षण का प्रशंसा करने से अपने आप को भी नही रोक सके। महामहिम ने माघ मेला के अवसर पर कुम्भ की तरह की गयी तैयारियों के लिए प्रशासन की भी सराहना की तथा यह कहा कि प्रयाग और संगम की धरती का यह आकर्षण है कि अनेकानेक सुविधाओ मे अभस्त रहने वाले तथा अत्यन्त सामान्य जीवन वाले व्यक्ति एक साथ इस तट पर सुविधाओं की चिन्ता किये बगैर खींचे चले आते है। इस बार माघ मेले मे घाटों की व्यवस्था, शौचालय और सफाई के प्रबंध को आधुनिक व्यवस्थाओं को प्रयोग देखकर महामहिम ने कुम्भ के रिहर्सल के तौर पर इस माघ मेले में की गयी तैयारियों की सराहना करते हुए अधिकारियों को धन्यवाद किया। **संगम दर्शन करने एक दिन पहले पहुंचे महामहिम**—सोमवार को को चित्रकूट, मध्य प्रदेश के दिक्षांत सामोराह में मुख्य अतिथि के तौर पर महामहिम राष्ट्रपति के साथ शामिल होंगे तथा उ.प्र. में महामहिम के इलाहाबाद एयरपोर्ट पर आगमन के समय उनकी आगवानी करने के लिए मा. राज्यपाल एक दिन पूर्व ही सांयकाल आ गये है और कोई निर्धारित कार्यक्रम न होने के बावजूद उन्होंने अचानक संगम दर्शन की इच्छा जतायी। मण्डलायुक्त डॉ. आशीष कुमार गोयल, आईजी रमित शर्मा, जिलाधिकारी सुहास एल.वाई के साथ महामहिम राज्यपाल सूर्यास्त के होते हुए संगम तट पर पहुंचे और पहले गंगा पट्टी फिर यमुना पट्टी पर देर तक मनोहर दृश्य देखते रहे। अचानक पहुंच गये पत्रकारों से बात करते हुए महामहिम राज्यपाल ने कहा कि संगम तट और गंगा यमुना की महिमा तथा आकर्षण पर अपनी अभिव्यक्ति प्रकट की तथा संगम क्षेत्र को कुम्भ की तर्ज पर की गयी प्रकाश व्यवस्था, सफाई, शौचालय के प्रबंध की सराहना भी की। महामहिम राज्यपाल के साथ मा. मंत्री, स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क, पंजीयन एवं नागरिक उड्डयन विभाग, उ.प्र. श्री नन्द गोपाल गुप्ता ह्ननन्दीह्ह भी उनके साथ रहे। मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के तौर पर मा. मंत्री, स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क, पंजीयन एवं नागरिक उड्डयन विभाग, नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी को उत्तर प्रदेश में महामहिम राष्ट्रपति के आगमन तथा वापसी पर विदाई के लिए अधिकृत किया गया है। ज्ञातव्य है कि महामहिम राष्ट्रपति दिल्ली से वायुयान द्वारा इलाहाबाद बमरौली एयरपोर्ट आयेंगे तथा वहीं से हेलीकाप्टर के द्वारा चित्रकूट म.प्र. के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने हेतु प्रस्थान करेंगे।

दैनिक जागरण

मुविवि में महाकुंभ पर व्याख्यान 12 जनवरी को

जासं, इलाहाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आगामी 12 जनवरी को पूर्वाह्न 11 बजे लोकमान्य शास्त्रार्थ सभागार में पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यानमाला के द्वितीय पुष्प का आयोजन किया गया है। कुलसचिव प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता राष्ट्रधर्म के संपादक एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के अवकाशप्राप्त प्रो. ओपी पांडेय 'महाकुम्भः एक सांस्कृतिक प्रसंग' विषय पर व्याख्यान देंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. एमपी दुबे करेंगे। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, प्रो आरपी मिश्रा प्रो. केबी पांडेय, प्रो. जनक पांडेय, प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, प्रो. राजेन्द्र मिश्र आदि व्याख्यान देंगे।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

मुक्त विवि में 12 को होगी महाकुम्भ पर संगोष्ठी

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विवि की ओर से 12 जनवरी को महाकुम्भः एक सांस्कृतिक प्रसंग विषय पर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। संगोष्ठी दिन में 11 बजे से मुक्त विवि के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में होगी। रजिस्ट्रार डॉ. गिरिजाशंकर शुक्ल ने बताया कि न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, पूर्व कुलपति, इविवि प्रो. आरपी मिश्र आदि भी होंगे।

दैनिक जागरण

गोद लिए गांव में फैलेगा कौशल और रोजगार का उजाला

जासं, इलाहाबाद : राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने सोरांव तहसील के अंतर्गत होलागढ़ विकास खंड के सराय मदन सिंह उर्फ चांटी गांव को गोद लिया है। जल्द ही विश्वविद्यालय से शिक्षक-कर्मचारियों का एक दल गांव का भ्रमण कर वहां पर विकास के लिए आधारभूत पहलुओं की जानकारी लेगा। कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने बताया कि सामाजिक गतिविधियों में विश्वविद्यालय ने तेजी से कदम बढ़ाए हैं। गांव के वंचित वर्ग में कौशल एवं रोजगार युक्त शिक्षा का प्रकाश फैलाएगा। राज्यपाल से जारी निर्देश में निर्देश में सभी विश्वविद्यालयों को अपने-अपने क्षेत्र के सभी महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं की टीम बनाकर विश्वविद्यालय की सीमा में आने वाले गांवों का शिक्षाप्रद भ्रमण कराना सुनिश्चित करने की बात कही गई है। विश्वविद्यालय इन कार्यों के सुचारू संचालन के लिए विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट तथा अन्य संस्था से जुड़े विशेषज्ञों का सहयोग करेगा। कुलपति प्रो. दुबे ने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय जिस गांव को गोद लिया है उनके विकास में उत्प्रेरक की भूमिका निर्वहन करेगा। इस दिशा में तैयार किए गए रोडमैप तैयार कर जानकारी जुटाई जाएगी।

परख सच की
जनसंदेश टाइम्स

मुविवि में महाकुम्भ पर व्याख्यान आज

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में 12 जनवरी को पूर्वान्ह 11 बजे सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य शास्त्रार्थ सभागार में पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यानमाला के द्वितीय पुष्प का आयोजन किया गया है। कुलसचिव प्रो.गिरिजा शंकर शुक्ल ने बताया कि व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता राष्ट्रधर्म के सम्पादक एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के अवकाशप्राप्त प्रो.ओपी पाण्डेय ''महाकुम्भ : एक सांस्कृतिक प्रसंग'' विषय पर व्याख्यान देंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो.एमपी दुबे करेंगे। इस अवसर पर न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, प्रो. आरपी मिश्रा पूर्व कुलपति इविवि, प्रो. केबी पाण्डेय पूर्व कुलपति कानपुर विवि, प्रो.जनक पाण्डेय पूर्व कुलपति बिहार केन्द्रीय विवि पटना, प्रो.राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय एवं महामहोपाध्याय प्रो. राजेन्द्र मिश्र, पूर्व कुलपति सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी एवं प्रोफेसर पं.अटल बिहारी बाजपेयी पीठ उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि आदि सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

राजर्षि टण्डन मुविवि ने गोद लिया चांटी गांव : प्रो.दुबे

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने राज्यपाल के निर्देश पर गुरूवार को मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो.एमपी दुबे की अध्यक्षता में हुई बैठक में सोरांव तहसील के अंतर्गत होलागढ़ विकास खण्ड के सराय मदन सिंह उर्फ चांटी गांव को अंगीकृत करने का निर्णय लिया।

कुलपति प्रोदुबे ने बताया कि शीघ्र ही विश्वविद्यालय से एक दल उक्त गांव का भ्रमण करेगा तथा गांव के विकास के लिए आधारभूत पहलुओं की जानकारी प्राप्त करेगा। कहा कि उप्र का यह एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षार्थियों के द्वार पर शिक्षा प्रदान करने में देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालयों से काफी आगे है। सामाजिक गतिविधियों में विश्वविद्यालय ने तेजी से कदम बढ़ाये हैं। विश्वविद्यालय अब गांव को अंगीकृत करके वंचित वर्ग में कौशल एवं रोजगार युक्त शिक्षा का प्रकाश फैलायेगा।

उधर राज्यपाल की प्रमुख सचिव जूथिका पाटणकर द्वारा विश्वविद्यालय को जारी निर्देश में कहा गया है कि 12 अक्टूबर 2017 को राष्ट्रपति भवन में सम्पादित राज्यपालों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा में प्रत्येक प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों का सहयोग लिए जाने का आहवान किया था, इस सम्बन्ध में सभी विश्वविद्यालय अपने-अपने क्षेत्र के सभी महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं की टीम बनाकर विश्वविद्यालय की सीमा में आने वाले गांवों का शिक्षाप्रद भ्रमण कराना सुनिश्चित करें, जिसके माध्यम से प्रत्येक गांव की समस्यायें एवं विशेषताओं की जानकारी होगी तथा यह जानकारी राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से सहयोगी होगी। इन कार्यों के सुचारू संचालन के लिए विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट तथा अन्य संस्था से जुड़े महानुभावों का सहयोग लिया जाये। सुश्री पाटणकर ने कहा कि विश्वविद्यालय जिस गांव को अंगीकृत करे उनके विकास में उत्प्रेरक की भूमिका निर्वहन करें तथा कृत कार्यवाही तथा इस दिशा में तैयार किए गए रोडमैप से भी अवगत कराया जाए। इस सम्बन्ध में कुलपति प्रोदुबे ने त्वरित कार्यवाही करते हुये आज उक्त गांव को अंगीकृत कर उसे आदर्श गांव के रूप में स्थापित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया।

दैनिक भास्कर
10 शुक्रवार, 5 जनवरी 2018 लखनऊ
इलाहाबाद

चांटी गांव गोद लिया राजर्षि टण्डन मुविवि ने : प्रो. दुबे

इलाहाबाद । उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने राज्यपाल के निर्देश पर अपने सीमा क्षेत्र में आने वाले गांव को अंगीकृत करने का निर्णय लिया गया है। आज मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे की अध्यक्षता में हुई बैठक में सोरांव तहसील के अंतर्गत होलागढ़ विकास खण्ड के सराय मदन सिंह उर्फ चांटी गांव को अंगीकृत करने का निर्णय लिया । कुलपति प्रो0 दुबे ने बताया कि शीघ्र ही विश्वविद्यालय से एक दल उक्त गांव का भ्रमण करेगा तथा उक्त गांव के विकास के लिए आधारभूत पहलुओं की जानकारी प्राप्त करेगा। प्रो0 दुबे ने कहा कि उ0प्र0 का यह एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षार्थियों के द्वारा पर शिक्षा प्रदान करने में देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालयों से काफी आगे है। उन्होंने कहा कि सामाजिक गतिविधियों में विश्वविद्यालय ने तेजी से कदम बढ़ाये हैं। विश्वविद्यालय अब गांव को अंगीकृत करके वंचित वर्ग में कौशल एवं रोजगार युक्त शिक्षा का प्रकाश फैलायेगा। उधर राज्यपाल की प्रमुख सचिव जूथिका पाटणकर द्वारा विश्वविद्यालय को जारी निर्देश में कहा गया है कि 12 अक्टूबर 2017 को राष्ट्रपति भवन में सम्पादित राज्यपालों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा में प्रत्येक प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों का सहयोग लिए जाने का आहवान किया था, इस सम्बन्ध में सभी विश्वविद्यालय अपने-अपने क्षेत्र के सभी छात्र-छात्राओं की टीम बनाकर विश्वविद्यालय की सीमा में आने वाले गांवों का शिक्षाप्रद भ्रमण कराना सुनिश्चित करें जिसके माध्यम से प्रत्येक गांव की समस्यायें एवं विशेषताओं की जानकारी होगी तथा यह जानकारी राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से सहयोगी होगी। इन कार्यों के सुचारू संचालन के लिए विश्व विद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट तथा अन्य संस्था से जुड़े महानुभावों का सहयोग लिया जाये।

हिन्दुस्तान
तरक्की को वाहिद नया नजरिया
www.livehindustan.com

मुक्त विवि ने चांटी गांव को लिया गोद

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने राज्यपाल के निर्देश पर अपने सीमा क्षेत्र में आने वाले होलागढ़ ब्लाक के सराय मदन सिंह उर्फ चांटी गांव को गोद लेने का निर्णय लिया है।

मुक्त विवि के कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने बताया कि शीघ्र ही विश्वविद्यालय से एक दल उक्त गांव का भ्रमण कर गांव के विकास के लिए आधारभूत पहलुओं की जानकारी प्राप्त करेगा। सामाजिक गतिविधियों में विश्वविद्यालय ने तेजी से कदम बढ़ाए हैं। विवि अब गांव को गोद लेकर वंचित वर्ग में कौशल एवं रोजगार युक्त शिक्षा का प्रकाश फैलाएगा।

डेली न्यूज़ एक्टिविस्ट
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुविवि ने गोद लिया चांटी गांव: प्रो. दुबे

इलाहाबाद (डीएनएन)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) ने राज्यपाल के निर्देश पर अपने सीमा क्षेत्र में आने वाले गांव को अंगीकृत करने का निर्णय लिया है। गुरुवार को मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. एमपी दुबे की अध्यक्षता में हुई बैठक में सोरांव तहसील के अंतर्गत होलागढ़ विकास खण्ड के सराय मदन सिंह उर्फचांटी गांव को अंगीकृत करने का निर्णय लिया। कुलपति प्रो. दुबे ने बताया कि शीघ्र ही विश्वविद्यालय से एक दल उक्त गांव का भ्रमण करेगा तथा उक्त गांव के विकास के लिए आधारभूत पहलुओं की जानकारी प्राप्त करेगा। प्रो. दुबे ने कहा कि उत्तर प्रदेश का यह एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षार्थियों के द्वार पर शिक्षा प्रदान करने में देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालयों से काफी आगे है। उन्होंने कहा कि सामाजिक गतिविधियों में विश्वविद्यालय ने तेजी से कदम बढ़ाये हैं। विश्वविद्यालय अब गांव को अंगीकृत करके वंचित वर्ग में कौशल एवं रोजगार युक्त शिक्षा का प्रकाश फैलायेगा। उधर राज्यपाल

सामाजिक गतिविधियों में विश्वविद्यालय ने तेजी से बढ़ाये कदम

की प्रमुख सचिव जूथिका पाटणकर द्वारा विश्वविद्यालय को जारी निर्देश में कहा गया है कि 12 अक्टूबर 2017 को राष्ट्रपति भवन में सम्पादित राज्यपालों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा में प्रत्येक प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों का सहयोग लिए जाने का आहवान किया था, इस सम्बन्ध में सभी विश्वविद्यालय अपने-अपने क्षेत्र के सभी महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं की टीम बनाकर विश्वविद्यालय की सीमा में आने वाले गांवों का शिक्षाप्रद भ्रमण कराना सुनिश्चित करें जिसके माध्यम से प्रत्येक गांव की समस्यायें एवं विशेषताओं की जानकारी होगी तथा यह जानकारी राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से सहयोगी होगी। इन कार्यों के सुचारू संचालन के लिए विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट तथा अन्य संस्था से जुड़े महानुभावों का सहयोग लिया जाये। सुश्री पाटणकर ने कहा कि विश्वविद्यालय जिस गांव को अंगीकृत करें उनके विकास में उत्प्रेरक की भूमिका निर्वहन करें तथा कृत कार्यवाही तथा इस दिशा में तैयार किए गए रोडमैप से भी अवगत कराया जाए। इस सम्बन्ध में कुलपति प्रो. दुबे ने त्वरित कार्यवाही करते हुये आज होलागढ़ विकास खण्ड में सराय मदन सिंह उर्फचांटी गांव को अंगीकृत कर उसे आदर्श गांव के रूप में स्थापित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये।

अमर उजाला

मुक्त विवि ने गोद लिया चांटी गांव

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि, इलाहाबाद ने राज्यपाल के निर्देश पर अपने सीमा क्षेत्र में आने वाले गांव को गोद लेने का निर्णय लिया है। बृहस्पतिवार को मुक्त विवि के कुलपति प्रो. एमपी दुबे के नेतृत्व में हुई बैठक में सोरांव तहसील के तहत होलागढ़ ब्लॉक के सराय मदन सिंह उर्फ चांटी गांव को गोद लिए जाने का निर्णय लिया गया।

राज्यपाल की प्रमुख सचिव जूथिका पाटणकर की ओर से विवि को जारी पत्र में बताया गया कि 12 अक्तूबर को राष्ट्रपति भवन में आयोजित राज्यपालों के सम्मेलन में पीएम ने राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्रत्येक प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों का सहयोग लिए जाने का आह्वान किया था। ब्यूरो

यूपीआरटीओयू मुक्त चिंतन

न्यूज लेटर

12 जनवरी, 2018

मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी के साथ वार्ता करते हुए प्रो0 राजेन्द्र मिश्र जी, प्रो0 ओम प्रकाश पाण्डेय जी एवं मा0 न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण जी

मुविवि में महाकुम्भ पर व्याख्यान

दिनांक 12 जनवरी, 2018 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य शास्त्रर्थ सभागार में पं0 दीन दयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यानमाला के द्वितीय पुष्प का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता राष्ट्रधर्म के सम्पादक एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के अवकाशप्राप्त प्रो0 ओ0पी0 पाण्डेय जी रहे। सारस्वत अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के पं0 अटल बिहारी बाजपेयी पीठ के प्रोफेसर महामहोपाध्याय प्रो0 राजेन्द्र मिश्र अभिराज एवं अध्यक्षता माननीय न्यायमूति श्री सुधीर नारायण जी ने की तथा संरक्षक के रुप में मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी रहे।

संचालन डॉ0 रामजी मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 (डॉ0) जी0एस0 शुक्ल ने किया।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 रामजी मिश्र एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण।

कार्यक्रम के अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायध जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 श्रुति, मुख्य वक्ता प्रो0 ओ0पी0 पाण्डेय जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 साधना श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि प्रो0 राजेन्द्र मिश्र जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 स्मिता अग्रवाल एवं मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 दीप शिखा श्रीवास्तव।

कुलपति प्रो० एम०पी० दुबे ने प्रारम्भ में अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि भारत में कुम्भ मेला धार्मिक महत्व आध्यात्मिक उत्साह और सामूहिक अपील में श्रष्ठ हैं। कुम्भ मेला विविधता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा विविध क्षेत्रें में किये गये विकास कार्यो की रूपरेखा प्रस्तुत की।

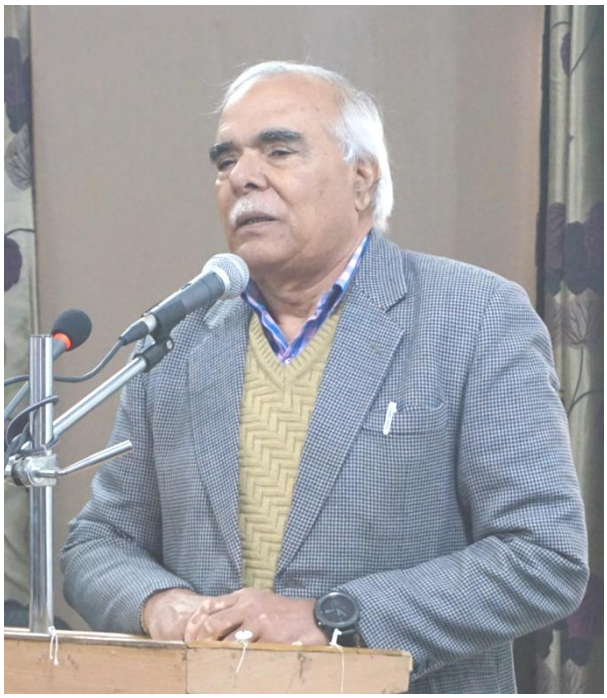

माननीय अतिथियों
को
अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह
प्रदान कर
उनका स्वागत
करते हुए
मा0 कुलपति जी।

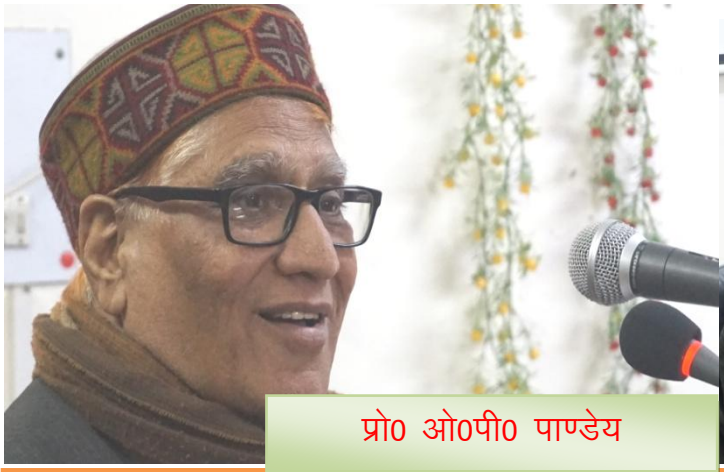

प्रो0 ओ0पी0 पाण्डेय

यज्ञानुष्ठान से प्रयाग कुम्भ की महत्ता सर्वाधिक–प्रो0 पाण्डेय

मुख्य वक्ता राष्ट्रधर्म के सम्पादक एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के अवकाश प्राप्त प्रो0 ओ0पी0 पाण्डेय ''महाकुम्भ : एक सांस्कृतिक प्रसंग'' विषय पर व्याख्यान देते हुये कहा कि जीवन में जो अपेक्षणीय है, जो पाप ताप हे उसे दूर करने वाला कुम्भ है। पृथ्वी पर कल्याण की स्थिति ग्रहों के अनुग्रह से बनती है। उन्होंने कहा कि यज्ञानष्ठान से पृथ्वी का पोषण करने वाला कुम्भ ही है। प्रयाग में सबसे ज्यादा यज्ञानुष्ठान के प्रमाण मिलते हैं इसलिए प्रयाग के महाकुम्भ की महत्ता अधिक है। कुम्भ की एक पौराणिक पृष्भभूमि रही है। प्रो0 पाण्डेय ने महाकुम्भ : एक सांस्कृतिक प्रासंग विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि कुम्भ जीवन में सबसे ज्यादा जाना पहचाना प्रतीक है।कुम्भ घट का ओर जीवन का प्रतीक है। प्रो0 पाण्डेय ने कहा कि चारों कुम्भ चार वेदों, चार वर्णों, चार युगों के द्योतक हैं। कुम्भ के मुख पर विष्णु का निवास है। किसी भी प्रतिष्ठ धार्मिक कार्य का प्रारम्भ कलश स्थापना पूजा से ही होता है। कण्ठ में भगवान शिव का निवास है। सृष्टिकर्ता ब्रहमा का निवास मूल भाग में है।

प्रो0 पाण्डेय ने कहा कि प्रयाग का कुम्भ क्षेत्र व्याकरण भाषा की प्रयोगशाला रहा है। महर्षि पाणिनी ने भाषा की प्रयोगशाला के रूप में प्रयाग को चुना। यहीं उन्होंने 14 साल तपस्या की । अक्षयवट की छाया में उन्हें तत्वज्ञान प्राप्त हुआ ओर अ६टाध्यायी यहीं पुष्पित पल्लवित हुई। प्रो0 पाण्डेय ने कहा कि पं0 दीन दयाल उपाध्याय का दृष्टिकोण एकात्म मानववाद के रूप में विश्व में प्रसिद्ध है। यह एकात्मवाद कुम्भ से मिलता है। पं0 दीन दयाल का मानना था कि समाज की आर्थिक एवं सामाजिक संरचना के लिए एक–एक व्यक्ति का विचार करना होगा। व्यक्ति के विराट रूप दर्शन का आयोजन ही महाकुम्भ है।

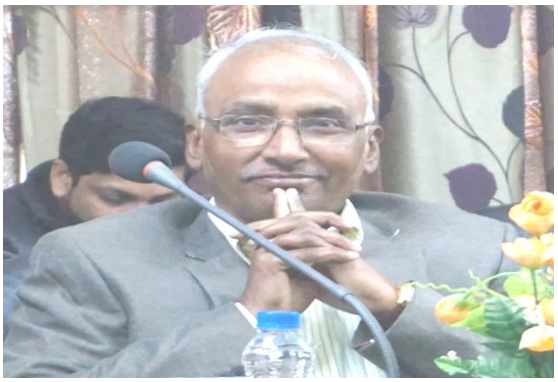

सारस्वत अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के पं0 अटल बिहारी बाजपेयी पीठ के प्रोफेसर महामहोपाध्याय प्रो0 राजेन्द्र मिश्र अभिराज ने कहा कि प्रयाग के कुंभ में गंगा एवं यमुना तो प्रत्यक्ष दिखायी देती है और सरस्वती अंतः संलिला है। धार्मिक प्रसंग का ज्ञान केवल शब्द प्रमाण से मिलता है। गंगा कोई सामान्य नदी नहीं है इसलिए ऋषि मुनियों द्वारा कहा गया कि गंगा के दर्शन से ही मुक्ति हो जाती है। त्रिवेणी के नाम से प्रसिद्धि हो गयी है गंगा, यमुना और अंतः संलिला सरस्वती की। उन्होंने कहा कि यह परिकल्पित होते हुए भी यथार्थ से अभिप्रेरित है।

अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण ने कहा कि प्रयाग वह स्थान है जहां न्याय, धर्म और विद्या तीनों है इसलिए यह तीर्थराज कहलाता है। प्रयागराज की महिमा अपरम्पार है। महाकुम्भ अत्यन्त फलदायी है।

धन्यवाद ज्ञापन

करते हुए

कुलसचिव प्रो0(डॉ0) जी0एस0 शुक्ल

माननीय कुलपति जी, अतिथिगण एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

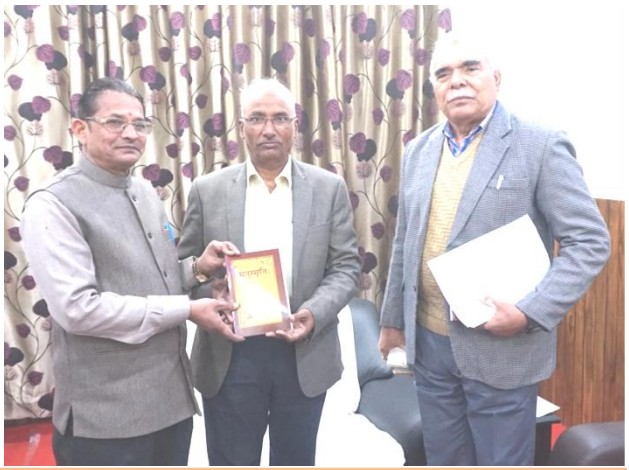

माननीय कुलपति जी एवं कुलसचिव जी को मनु स्मृति पुस्तक प्रदान करते हुए डॉ0 रामजी मिश्र।

यूपी बोर्ड टॉपर्स के गांव तक पक्की सड़क बनेगी : केशव पेज 11 | ब्रोकली दही खाने से नहीं बढ़ेगा आंत का कैंसर पेज 18

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

कुम्भ करता है पृथ्वी का पोषण

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

संगोष्ठी

- मुक्त विवि में महाकुम्भ : एक सांस्कृतिक प्रसंग पर हुई संगोष्ठी
- पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यानमाला के अंतर्गत महाकुम्भः एक सांस्कृतिक प्रसंग विषय पर संगोष्ठी हुई। बतौर मुख्य वक्ता राष्ट्रधर्म के संपादक एवं लखनऊ विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त प्रो. ओपी पांडेय ने कहा कि यज्ञ और अनुष्ठान से पृथ्वी का पोषण करने वाला कुम्भ ही है।

प्रयाग में सबसे ज्यादा यज्ञानुष्ठान के प्रमाण मिलते हैं इसलिए प्रयाग के महाकुम्भ की महत्ता अधिक है। उन्होंने कहा कि प्रयाग का कुम्भ क्षेत्र व्याकरण भाषा की प्रयोगशाला रहा है। महर्षि पाणिनी ने भाषा की प्रयोगशाला के रूप में प्रयाग को चुना। यहीं उन्होंने 14 साल तपस्या की। अक्षयवट की छाया में उन्हें तत्वज्ञान प्राप्त हुआ ओर अष्टाध्यायी यहीं पुष्पित पल्लवित हुई।

सारस्वत अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति महामहोपाध्याय प्रो. राजेन्द्र मिश्र अभिराज ने कहा कि गंगा कोई सामान्य नदी नहीं है इसलिए ऋषि मुनियों द्वारा कहा गया कि गंगा के दर्शन से ही मुक्ति हो जाती है। कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत में कुम्भ मेला धार्मिक महत्व आध्यात्मिक उत्साह और सामूहिक अपील में श्रेष्ठ हैं। कुम्भ मेला विविधता में एकता का प्रतीक है।

अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि प्रयाग वह स्थान है जहां न्याय, धर्म और विद्या तीनों है इसलिए यह तीर्थराज कहलाता है। महाकुम्भ अत्यन्त फलदायी है। संचालन डॉ. रामजी मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. जीएस शुक्ल ने किया।

अमर उजाला
लोहड़ी की लख-लख बधाइयां
इलाहाबाद
शनिवार, 13 जनवरी 2018

यज्ञ भूमि प्रयाग का महाकुंभ सर्वश्रेष्ठ

मुक्त विवि में महाकुंभ पर हुए व्याख्यान में बोले प्रो. ओपी पांडेय

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद।

याज्ञिक अनुष्ठान से पृथ्वी का पोष करने वालो कुंभ ही है। प्रयाग में सबसे अधिक याज्ञिक अनुष्ठान के प्रमाण मिलते हैं, सो प्रयाग के महाकुंभ का महत्व सबसे अधिक है। यह विचार राष्ट्रधर्म के संपादक एवं लखनऊ विश्वविद्यालय से रिटायर प्रो. ओपी पांडेय ने शुक्रवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 'महाकुंभः एक सांस्कृतिक प्रसंग' विषय पर आयोजित व्याख्यान में व्यक्त किए। पंडित दीन दयाल उपाध्याय की स्मृति में आयोजित व्याख्यानमाला में कहा कि चारों कुंभ चार वेदों, चार वर्णों, चार युगों के द्योतक हैं। कुंभ के मुख पर विष्णु का निवास है।

महाकुंभ के सांस्कृतिक प्रसंग विषय पर कहा कि किसी भी महत्वपूर्ण धार्मिक कार्य की शुरुआत कलश स्थापना पूजन से होती है। कुंभ क्षेत्र व्याख्याकरण भाषा की प्रयोगशाला रहा है। महर्षि पणिनी ने भाषा की प्रयोगशाला के रूप में प्रयाग को चुना। यहीं उन्होंने 14 साल तपस्या की। प्रो. पांडेय ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय का दृष्टिकोण एकात्म मानववाद के रूप में विश्व में प्रसिद्ध है। यह एकात्मवाद कुंभ से मिलता है। सारस्वत अतिथि संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजेंद्र मिश्र अभिराज ने कहा कि प्रयाग के कुंभ में गंगा एवं यमुना तो प्रत्यक्ष दिखाई देती हैं लेकिन सरस्वती अंतः सलिला हैं। मुक्त विवि के कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि भारत में कुंभ मेला धार्मिक महत्सव, आध्यात्मिक उत्साह एवं सामूहिक अपील में श्रेष्ठ है।

इलाहाबाद, शनिवार, 13 जनवरी, 2018
जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
सेंचुरियन में भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा - 13
सेना प्रमुख का बड़ा बयान-15
www.jansandeshtimes.net

यज्ञानुष्ठान से प्रयाग कुम्भ की महत्ता सर्वाधिक : प्रो.पाण्डेय

संबोधित करते न्यायमूर्ति सुधीर नारायण

इलाहाबाद। पृथ्वी पर कल्याण की स्थिति ग्रहों के अनुग्रह से बनती है। यज्ञानुष्ठान से पृथ्वी का पोषण करने वाला कुम्भ ही है। प्रयाग में सबसे ज्यादा यज्ञानुष्ठान के प्रमाण मिलते हैं, इसलिए प्रयाग के महाकुम्भ की महत्ता अधिक है। कुम्भ घट का और जीवन का प्रतीक है।

उक्त विचार राष्ट्रधर्म के सम्पादक एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के अवकाश प्राप्त प्रो. ओपी पाण्डेय ने उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विवि के तत्वावधान में आयोजित पंदीनदयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यानमाला के द्वितीय पुष्प ''महाकुम्भ : एक सांस्कृतिक प्रसंग'' विषय पर व्याख्यान देते हुए व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा कि कुम्भ की एक पौराणिक पृष्ठभूमि रही है, कुम्भ जीवन में सबसे ज्यादा जाना पहचाना प्रतीक है। कहा कि चारों कुम्भ चार वेदों, चार वर्णों, चार युगों के द्योतक हैं। कुम्भ के मुख पर विष्णु का निवास है। किसी भी प्रतिष्ठ धार्मिक कार्य का प्रारम्भ कलश स्थापना पूजा से ही होता है। कण्ठ में भगवान शिव का निवास है। सृष्टिकर्ता ब्रह्मा का निवास मूल भाग में है। कहा कि प्रयाग का कुम्भ क्षेत्र व्याकरण भाषा की प्रयोगशाला रहा है। महर्षि पाणिनी ने भाषा की प्रयोगशाला के रूप में प्रयाग को चुना। यहीं उन्होंने 14 साल तपस्या की। अक्षयवट की छाया में उन्हें तत्वज्ञान प्राप्त हुआ ओर अष्टाध्यायी यहीं पुष्पित पल्लवित हुई। प्रोपाण्डेय ने कहा कि पंदीनदयाल उपाध्याय का दृष्टिकोण एकात्म मानववाद के रूप में विश्व में प्रसिद्ध है। यह एकात्मवाद कुम्भ से मिलता है। पं. दीनदयाल का मानना था कि समाज की आर्थिक एवं सामाजिक संरचना के लिए एक-एक व्यक्ति का विचार करना होगा। व्यक्ति के विराट रूप दर्शन का आयोजन ही महाकुम्भ है।

सारस्वत अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विवि के पंअटल बिहारी बाजपेयी पीठ के प्रो. राजेन्द्र मिश्र अभिराज ने कहा कि प्रयाग के कुंभ में गंगा एवं यमुना तो प्रत्यक्ष दिखायी देती है और सरस्वती अंतः सलिला है। धार्मिक प्रसंग का ज्ञान केवल शब्द प्रमाण से मिलता है। गंगा कोई सामान्य नदी नहीं है इसलिए ऋषि मुनियों द्वारा कहा गया कि गंगा के दर्शन से ही मुक्ति हो जाती है। त्रिवेणी के नाम से प्रसिद्धि हो गयी है गंगा, यमुना और अंतः सलिला सरस्वती की। उन्होंने कहा कि यह परिकल्पित होते हुए भी यथार्थ से अभिप्रेरित है।

कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि भारत में कुम्भ मेला धार्मिक महत्व आध्यात्मिक उत्साह और सामुहिक अपील में श्रेष्ठ हैं। कुम्भ मेला विविधता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा विविध क्षेत्रों में किये गये विकास कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि प्रयाग वह स्थान है जहां न्याय, धर्म और विद्या तीनों है। इसलिए यह तीर्थराज कहलाता है। प्रयागराज की महिमा अपरम्पार है। महाकुम्भ अत्यन्त फलदायी है। कार्यक्रम का संचालन डारामजी मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. (डा) जीएस शुक्ल ने किया।

website : www.dnahindi.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
शब्द शब्द संघर्ष
डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट
RNI NO.: UPHIN/2007/42669
संस्करण : लखनऊ ■ इलाहाबाद

14 सेंचुरियन में सीरीज बचाने उतरेगी विराट एंड कंपनी

8 वीजा नियमों में बदलाव को टालना ट्रंप की मजबूरी 9 एच-1बी वीजा पर अमेरिकी नरमी के मायने 16 आतंकियों को सौंपेगा पाकिस्तान

यज्ञानुष्ठान से पृथ्वी का पोषण करने वाला कुम्भः प्रो. पांडेय

डेली न्यूज़ नेटवर्क

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को पं. दीन दयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यानमाला के द्वितीय पुष्प का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता राष्ट्रधर्म के सम्पादक एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के अवकाश प्राप्त प्रो. ओपी

- प्रयाग में न्याय, धर्म और विद्या तीनों विरजमानः न्यायमूर्ति सुधीर
- प्रो. एमपी दुबे ने कहा, कुम्भ विविधता में एकता का प्रतीक

राजर्षि टण्डन में महाकुम्भ पर व्याख्यान

पाण्डेय ने महाकुम्भ एक सांस्कृतिक प्रसंग' पर व्याख्यान देते हुये कहा कि जीवन में जो अपेक्षणीय है जो पाप ताप है उसे दूर करने वाला कुम्भ है। पृथ्वी पर कल्याण की स्थिति ग्रहों के अनुग्रह से बनती है। उन्होंने कहा कि यज्ञानुष्ठान से पृथ्वी का पोषण करने वाला कुम्भ ही है। प्रयाग में सबसे ज्यादा यज्ञानुष्ठान के प्रमाण मिलते हैं इसलिए प्रयाग के महाकुम्भ की महत्ता अधिक है।

सारस्वत अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं उप राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के पं. अटल बिहारी बाजपेयी पीठ के प्रो. महामहोपाध्याय प्रो. राजेन्द्र मिश्र अभिराज ने कहा कि प्रयाग के कुंभ में गंगा एवं यमुना तो प्रत्यक्ष दिखायी देती है और सरस्वती अंत: सलिला है। गंगा कोई सामान्य नदी नहीं है इसलिए ऋषि मुनियों द्वारा कहा गया कि गंगा के दर्शन से ही मुक्ति हो जाती है।

कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि भारत में कुम्भ मेला धार्मिक महत्व आध्यात्मिक उत्साह और सामूहिक अपील में श्रेष्ठ हैं। कुम्भ मेला विविधता में एकता का प्रतीक है। अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि प्रयाग वह स्थान है जहां न्याय, धर्म और विद्या तीनों है इसलिए यह तीर्थराज कहलाता है। प्रयागराज की महिमा अपरम्पार है। महाकुम्भ अत्यन्त फलदायी है। संचालन डॉ. रामजी मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. जीएस शुक्ल ने किया।

इलाहाबाद 13-01-2018
http://www.dailynewsactivist.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट
शब्द शब्द संघर्ष

दैनिक भास्कर — बुधवार, 17 जनवरी 2018 लखनऊ — इलाहाबाद

सारसुर्खियां

प्रो. एमपी दुबे को फिर मिली मुविवि की कमान

इलाहाबाद। उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एमपी दुबे का कार्यकाल कुलाधिपति श्री राम नाईक ने पुनः तीन माह की अवधि के लिए बढ़ा दिया है। प्रो0 दुबे ने गत 16 अक्टूबर 2014 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार ग्रहण किया था और उनका कार्यकाल दिनांक 16 अक्टूबर 2017 तक ही था जिसके क्रम में माननीय कुलाधिपति, उ0प्र0 द्वारा 03 माह की अवधि के लिए कार्यकाल का विस्तार किया गया था जो आज समाप्त हो रहा था। कुलाधिपति श्री राम नाईक ने प्रो0 एम0पी0 दुबे के उत्कृष्ट कार्यो को देखते हुए उनका कार्यकाल पुनः तीन माह की अवधि के लिए बढ़ा दिया है। प्रो0 दुबे का नाम विश्वविद्यालय के इतिहास में सर्वाधिक समय तक कुलपति के पद पर कार्य करने के रुप में दर्ज हो गया है। कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने अपने बढ़े हुए पिछलें तीन माह के कार्यकाल में अभूतपूर्व उपलब्धि अर्जित की। गत 24 दिसम्बर, 2017 को वृन्दावन आवास योजना लखनऊ में लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के भवन की आधारशिला एवं उत्कृष्ट कर्मचारियों, अध्ययन केन्द्रो, विशेष अध्ययन केन्द्र, उत्कृष्ट अध्ययन केन्द्र एवं शिक्षकों का सम्मान राज्यपाल के करकमलों से कराना बड़ी उपलब्धि थी। कुलपति प्रो0 दुबे ने कहा कि उनकी प्रांथमिकता में कर्मचारियों के लिए तैयार आवासीय भवन का उद्घाटन माननीय राज्यपाल के करकमलों से सम्पन्न कराना है। शीघ्र ही उद्घाटन की तिथि तय की जायेगी। इससके साथ ही अन्य क्षेत्रीय केन्द्रों के भवन हेतु क्रय की गयी भूमि पर भवन का शिलान्यास कराना उनकी प्राथमिकता में है जिससे शीघ्र ही भवनों का निर्माण कराया जा सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विकास की गति अब रुकेगी नही। पिछले सवा तीन वर्षो में जो कार्य हुए हैं उससे कहीं अधिक गति से विश्वविद्यालय की बेहतरी के लिए कार्य किया जायेगा। कुलपति प्रो0 दुबे ने कहा कि उनका प्रयास होगा कि मुक्त विश्वविद्यालय देश का सर्वोच्च विश्वविद्यालय के रूप में ख्याति अर्जित करे। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में एकेडमिक गतिविधियों को और बढ़ाया जायेगा।

दैनिक जागरण

एक नजर

प्रो. एमपी दुबे का कार्यकाल तीन माह और बढ़ा

जासं, इलाहाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) के कुलपति प्रो. एमपी दुबे का कार्यकाल तीन माह के लिए और बढ़ा दिया गया है। उन्होंने विश्वविद्यालय में बतौर कुलपति 16 अक्टूबर 2014 में ज्वाइन किया था। उनका तीन वर्ष का कार्यकाल 16 अक्टूबर 2017 को पूरा हो रहा था। राज्यपाल ने 16 जनवरी 2018 तक के लिए पहली बार उनका कार्यकाल बढ़ाया था। अब दोबारा उनका कार्यकाल तीन माह तक के लिए बढ़ा दिया गया है। प्रो. एमपी दुबे इलाहाबाद विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के शिक्षक हैं। वे राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष व डीन आर्ट्स के पद पर भी रह चुके हैं।

जनसंदेश टाइम्स — इलाहाबाद माइक

राज्यपाल ने मुविवि के कुलपति प्रो. दुबे का कार्यकाल बढ़ाया

कुलपति को मिली बधाईयां

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एमपी दुबे का कार्यकाल राज्यपाल व कुलाधिपति राम नाईक ने पुनः तीन माह की अवधि के लिए बढ़ा दिया है।

प्रो. दुबे ने गत 16 अक्टूबर 2014 को उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार ग्रहण किया था और उनका कार्यकाल बीते 16 अक्टूबर तक ही था। कुलाधिपति उप्र ने तीन माह की अवधि के लिए कार्यकाल का विस्तार किया था जो आज समाप्त हो रहा था। कुलाधिपति श्री नाईक ने प्रो.एमपी दुबे के उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए उनका कार्यकाल पुनः तीन माह की अवधि के लिए बढ़ा दिया है। प्रो. दुबे का नाम विश्वविद्यालय के इतिहास में सर्वाधिक समय तक कुलपति के पद पर कार्य करने के रुप में दर्ज हो गया है। कुलपति प्रो.एमपी दुबे ने अपने बढ़े हुए पिछले तीन माह के कार्यकाल में अभूतपूर्व उपलब्धि अर्जित की। गत 24 दिसम्बर को वृन्दावन आवास योजना लखनऊमें लखनऊक्षेत्रीय केन्द्र के भवन की आधारशिला एवं उत्कृष्ट कर्मचारियों, अध्ययन केन्द्रो, विशेष अध्ययन केन्द्र, उत्कृष्ट अध्ययन केन्द्र एवं शिक्षकों का सम्मान राज्यपाल से कराना बड़ी उपलब्धि थी।

कुलपति प्रोदुबे ने कहा कि उनकी प्राथमिकता में कर्मचारियों के लिए तैयार आवासीय भवन का उद्घाटन राज्यपाल से सम्पन्न कराना है। शीघ्र ही उद्घाटन की तिथि तय की जायेगी। इसके साथ ही अन्य क्षेत्रीय केन्द्रों के भवन हेतु क्रय की गयी भूमि पर भवन का शिलान्यास कराना उनकी प्राथमिकता में है, जिससे शीघ्र भवनों का निर्माण कराया जा सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विकास की गति अब रुकेगी नही। पिछले सवा तीन वर्षों में जो कार्य हुए हैं उससे कहीं अधिक गति से विश्वविद्यालय की बेहतरी के लिए कार्य किया जायेगा। कुलपति ने कहा कि उनका प्रयास होगा कि मुक्त विश्वविद्यालय देश का सर्वोच्च विश्वविद्यालय के रूप में ख्याति अर्जित करे। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में एकेडमिक गतिविधियों को और बढ़ाया जायेगा। मुक्त विश्वविद्यालय ने प्रोदुबे के नेतृत्व में सवा तीन वर्षों में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित किये। 'क्लीन कैम्पस, ग्रीन कैम्पस' अभियान के अन्तर्गत उन्होंने हरित परिसर का निर्माण कराया। प्रोदुबे का कार्यकाल एक बार पुनः बढ़ने पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया।

डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट — राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

प्रो. एमपी दुबे को फिर मिली मुविवि की कमान

कुलाधिपति राम नाईक ने पुन: दिया तीन माह का सेवा विस्तार

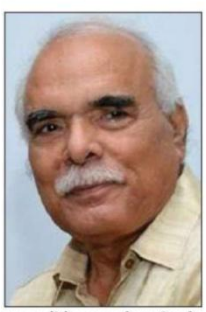

डेली न्यूज़ नेटवर्क

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) के कुलपति प्रो. एमपी दुबे का कार्यकाल कुलाधिपति राम नाईक ने पुन: तीन माह की अवधि के लिए बढ़ा दिया है। प्रो. दुबे ने गत 16 अक्टूबर 2014 को उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार ग्रहण किया था और उनका कार्यकाल दिनांक 16 अक्टूबर 2017 तक ही था। कुलाधिपति द्वारा 03 माह की अवधि के लिए कार्यकाल का विस्तार किया गया था जो आज समाप्त हो रहा था। कुलाधिपति राम नाईक ने प्रो. एमपी दुबे के उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए उनका कार्यकाल पुन: तीन माह की अवधि के लिए बढ़ा दिया है। प्रो. दुबे का नाम मुविवि के इतिहास में सर्वाधिक समय तक कुलपति के पद पर कार्य करने के रुप में दर्ज हो गया है।

कुलपति प्रो. दुबे ने अपने बढ़े हुए पिछले तीन माह के कार्यकाल में अभूतपूर्व उपलब्धि अर्जित की। गत 24 दिसम्बर को वृन्दावन आवास योजना लखनऊ में लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के भवन की आधारशिला एवं उत्कृष्ट कर्मचारियों, अध्ययन केन्द्रो, विशेष अध्ययन केन्द्र, उत्कृष्ट अध्ययन केन्द्र एवं शिक्षकों का सम्मान राज्यपाल के करकमलों से कराना बड़ी उपलब्धि थी। कुलपति प्रो. दुबे ने कहा कि उनकी प्राथमिकता में कर्मचारियों के लिए तैयार आवासीय भवन का उद्घाटन राज्यपाल के करकमलों से सम्पन्न कराना है। साथ ही अन्य क्षेत्रीय केन्द्रों के भवन हेतु क्रय की गयी भूमि पर भवन का शिलान्यास कराना उनकी प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि मुविवि के विकास की गति अब रुकेगी नहीं। प्रो. दुबे का कार्यकाल एक बार पुन: बढ़ने पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया।

अमर उजाला — उत्तर प्रदेश

फिर तीन माह के लिए बढ़ा प्रो. एमपी दुबे का कार्यकाल

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एमपी दुबे का कार्यकाल कुलाधिपति एवं राज्यपाल राम नाईक ने पुनः तीन माह के लिए बढ़ा दिया है। प्रो. दुबे ने 16 अक्तूबर को 2014 को मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार ग्रहण किया था। उनका कार्यकाल 16 अक्तूबर 2017 तक ही था। कुलाधिपति राम नाईक ने तीन माह की अवधि के लिए उनका कार्यकाल बढ़ाया था, जो मंगलवार को समाप्त हो रहा था।

कुलपति के उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए कुलाधिपति ने पुनः उनके कार्यकाल की अवधि तीन माह के लिए बढ़ा दी है। इसके साथ ही प्रो. दुबे का नाम विश्वविद्यालय के इतिहास में सर्वाधिक समय पर कुलपति के पद पर तैनात रहने के रूप में दर्ज हो गया है। ब्यूरो

हिन्दुस्तान — तरक्की को चाहिए नया नजरिया

फिर बढ़ा मुक्त विवि के कुलपति का कार्यकाल

इलाहाबाद | निज संवाददाता

प्रो. एमपी दुबे, कुलपति मुक्त विवि।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एमपी दुबे का कार्यकाल फिर तीन माह के लिए बढ़ा दिया गया है। प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति राम नाईक ने इससे पूर्व भी प्रो. दुबे का कार्यकाल तीन माह के लिए बढ़ाया था।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष रहे प्रो. दुबे को 16 अक्टूबर 2014 को मुक्त विवि का कुलपति नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 16 अक्टूबर 2017 तक ही था। इसके बाद कार्यकाल तीन माह के लिए बढ़ाया गया था, जो मंगलवार को समाप्त हो रहा था। प्रो. दुबे को यह कार्य विस्तार उनके उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए दिया गया है। इसके साथ ही उनका नाम विश्वविद्यालय में सर्वाधिक समय तक कुलपति के पद पर कार्य करने के तौर पर दर्ज हो गया है। कुलपति ने बताया कि उनकी प्राथमिकता में कर्मचारियों के लिए तैयार आवासीय भवन का उद्घाटन राज्यपाल से करवाना है। शीघ्र ही उद्घाटन की तिथि तय की जाएगी।

अमर उजाला

शर्मनाक हार — सेंचुरियन टेस्ट में 135 रन से हारा भारत, सीरीज में द. अफ्रीका को 2-0 की अजेय बढ़त...13 — उत्तर प्रदेश

amarujala.com

राष्ट्रीय सेमिनार 30 को

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी की पुण्य स्मृति में 30 जनवरी को 'भूमंडलीकरण एवं गांधी चिंतन' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया है। सेमिनार का आयोजन समाज विज्ञान विद्याशाखा की ओर से किया जाएगा। कुलपति प्रो.एमपी दुबे के मुताबिक सेमिनार में देशभर से विद्वानों, शोधार्थियों एवं गांधीवादी चिंतकों के शोधपत्र आमंत्रित किए गए हैं। प्रो. सुधांशु त्रिपाठी एवं आयोजन सचिव डॉ.एस कुमार ने बताया कि इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी करेंगे जबकि विशिष्ट अतिथि गांधीवादी विचारक पूर्व सांसद प्रो.रामजी सिंह होंगे। इच्छुक प्रतिभागी 28 जनवरी तक शोधपत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। विस्तृत विवरण विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

भारत ने सेंचुरियन में हीं सीरीज गवाई पेज 14 | छोटे शहरों में तीन गुना बढ़े ऑनलाइन खरीदार पेज 15

हिन्दुस्तान — तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

इलाहाबाद — हिन्दुस्तान 02 — इलाहाबाद • गुरुवार • 18 जनवरी 2018

मुविवि में भूमंडलीकरण पर चिंतन को जुटेंगे दिग्गज

इलाहाबाद। मुक्त विवि में शहीद दिवस के अवसर पर गांधी जी की पुण्य स्मृति में राष्ट्रीय सेमिनार होगा। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने बताया कि 30 जनवरी को 'भूमंडलीकरण एवं गांधी चिंतन' पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित होगा। उद्घाटन मुख्य अतिथि हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी करेंगे व विशिष्ट अतिथि गांधीवादी विचारक पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह होंगे। इसमें पूर्व कुलपति इविवि प्रो. आरपी मिश्र, न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, प्रो. केबी पांडेय आदि विचार रखेंगे।

जनसंदेश टाइम्स — सच सबकी

मुविवि के 'भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन' सेमिनार में जुटेंगे दिग्गज

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी की पुण्य स्मृति में 30 जनवरी को 'भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में देश के प्रबुद्ध चिन्तकों के विचार आयोजित कराये जाएंगे।

कुलपति प्रो.एमपी दुबे ने बताया कि इस राष्ट्रीय सेमिनार में देश भर से विद्वानों, शोधार्थियों एवं गांधीवादी चिन्तकों के शोधपत्र आमंत्रित किए गए हैं। गांधी हमारी राष्ट्रीय धरोहर के महत्वपूर्ण अंग है। संगोष्ठी निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी प्रो. सुधांशु त्रिपाठी एवं आयोजन सचिव डा.एस. कुमार ने बताया कि सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि जाने माने गांधीवादी विचारक पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह होंगे। इस अवसर पर विद्वान वक्ता प्रो. आरपी मिश्र पूर्व कुलपति इविवि, न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, प्रो. केबी पाण्डेय, प्रोजनक पाण्डेय, प्रोराजेन्द्र प्रसाद कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, प्रो.बीएल शाह कुमायूं विश्वविद्यालय नैनीताल, प्रोकेसी पाण्डेय महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, प्रोआरपी पाठक काशी हिन्दू विवि वाराणसी, प्रोसुरेन्द्र वर्मा देवी अहिल्याबाई विवि इन्दौर आदि विचार व्यक्त करेंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो.एमपी दुबे करेंगे।

दैनिक भास्कर — इलाहाबाद

गुरुवार, 18 जनवरी 2018 लखनऊ

'भूमंडलीकरण एवं गांधी चिंतन' में जुटेंगे दिग्गज

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी की पुण्य स्मृति में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। प्रसिद्ध गांधीवादी चिन्तक कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय ने निर्णय लिया है कि 30 जनवरी को 'भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन' पर राष्ट्रीय सेमिनार में देश के प्रबुद्ध चिन्तकों के विचार आयोजित कराये जाएंगे।

प्रो. दुबे ने बताया कि इस राष्ट्रीय सेमिनार में देशभर से विद्वानों, शोधार्थियों एवं गांधीवादी चिन्तकों के शोधपत्र आमंत्रित किए गए हैं। गांधी हमारी राष्ट्रीय धरोहर के महत्वपूर्ण अंग हैं। वे भारत के एक ऐसे व्यक्तित्व हैं जिनके विचारों, सिद्धान्तों, आदर्शों, मानवीय मूल्यों, सादगीपूर्ण जीवन एवं नैतिकता को वैश्विक स्तर पर सार्वभौमिक रूप से स्वीकार एवं आत्मसात किया जाता है। संगोष्ठी निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी प्रो. सुधांशु त्रिपाठी एवं आयोजन सचिव डॉ. एस कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि जाने-माने गांधीवादी विचारक पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह होंगे। इस अवसर पर विद्वान वक्ता प्रो. आरपी मिश्र पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय, न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण, न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, प्रो. केबी पाण्डेय, प्रो. जनक पाण्डेय, प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति इलाहाबाद राज्य विवि, प्रो. बीएल शाह, कुमायूं विवि, नैनीताल, प्रो. केसी पाण्डेय, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, प्रो. आरपी पाठक, काशी हिन्दू विवि, वाराणसी, प्रो. सुरेन्द्र वर्मा, देवी अहिल्याबाई विवि, इन्दौर आदि विचार व्यक्त करेंगे। प्रतिभागी सेमिनार में भूमंडलीकरण एवं भारतीय संस्कृति, भूमंडलीकरण, गांधी एवं उनके राजनीतिक विचार, भूमंडलीकरण, गांधी एवं धर्म, गांधी जी के आर्थिक विचार एवं भूमण्डलीकरण, भूमण्डलीकरण, गांधी एवं सामाजिक न्याय, गांधी जी एवं पत्रकारिता, गांधी जी एवं पर्यावरण आदि उपविषयों पर 28 जनवरी तक शोध पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

इलाहाबाद से प्रकाशित एकमात्र सांध्य दैनिक

प्रयागराज टाइम्स

"भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन" सेमिनार में जुटेंगे दिग्गज

प्रयागराज टाइम्स समाचार

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी की पुण्य स्मृति में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। प्रसिद्ध गांधीवादी चिन्तक कुलपति प्रो. एम.पी. दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय ने निर्णय लिया है कि 30 जनवरी को "भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन" पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जायेगा। जिसमें देश के प्रबुद्ध चिंतकों के विचार आयोजित कराये जायेंगे। उन्होंने राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन की जिम्मेदारी समाज विज्ञान विद्याशाखा को सौंपी है।

संगोष्ठी निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी प्रो. सुधांशु त्रिपाठी एवं आयोजन सचिव डॉ. एस. कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि जाने-माने गांधीवादी विचारक पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह होंगे।

इस अवसर पर विद्वान वक्ता प्रो. आरपी मिश्र पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय, प्रो. के.बी. पाण्डेय, प्रो. जनक पाण्डेय, प्रो. राजेंद्र प्रसाद कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय प्रो. बी.एल. शाह कुमायूं विश्वविद्यालय नैनीताल, प्रो. केसी पाण्डेय महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, प्रो. आरपी पाठक काशी विश्वविद्यालय वाराणसी, प्रो. सुरेंद्र वर्मा देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर आदि विचार व्यक्त करेंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. एम.पी. दुबे की अगुवाई में होगा। इसकी पूरी जानकारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा जारी की है।

यूपीआरटीओयू मुक्त चिंतन

न्यूज लेटर

25 जनवरी, 2018

युवा जागरण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ दिलाई जाएगी आज

इलाहाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि में गुरुवार को 11 बजे राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाता शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया है। कुलसचिव प्रो. (डॉ.) जीएस शुक्ल ने बताया कि 25 जनवरी को पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन वर्ष 2011 से किया जा रहा है। इस वर्ष भी भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आठवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों, अधिकारियों, परामर्शदाताओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलाई जाएगी।

8 दैनिक जागरण इलाहाबाद, 25 जनवरी 2018 www.jagran.com

मुविवि में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के गंगा परिसर स्थित झण्डारोहण स्थल पर दिनांक 25 जनवरी, 2018 को पूर्वाह 11.00 बजे राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे के मार्गदर्शन में मतदाता शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो0 (डॉ0) जी0एस0 शुक्ल ने बताया कि इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आठवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों, अधिकारियों, परामर्शदाताओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलायी गयी। उन्होंने बताया कि 25 जनवरी को पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का पूरे उत्साह के साथ आयोजन वर्ष 2011 से किया जा रहा है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे, कुलसचिव प्रो0 (डॉ0) जी0एस0 शुक्ल एवं विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, अधिकारी, परामर्शदाता, शिक्षक एवं कर्मचारी मतदाता शपथ लेते हुए।

यूपीआरटीओयू
मुक्त चिंतन
न्यूज लेटर
25 जनवरी, 2018

योजना बोर्ड की 26वीं (आपातकालीन)बैठक

दिनांक 25 जनवरी, 2018

मा0 कुलपति जी के अध्यक्षता में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, योजना बोर्ड की 26वीं (आपातकालीन) बैठक दिनांक 25 जनवरी, 2018 को पूर्वाह्न 11:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 एम0पी0 दुबे, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने की। बैठक में विश्वविद्यालय में मल्टी स्टोरी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त कम्यूनिटि हाल, कैन्टीन, गंगा परिसर एवं यमुना परिसर में डबल स्टोरी पार्किंग, बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के भवन का निर्माण कार्य, क्षेत्रीय केन्द्र आगरा व कानुर में जमीन क्रय किया जाना एवं ट्यूबवेल और ओवर हेड टैंक (OHT) बनाये जाने एवं विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यो को यथाशीघ्र पूर्ण कराये जाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में प्रो0 जे0 एन0 मिश्र, अध्यक्ष वाणिज्य विभाग एवं पूर्व वित्त अधिकारी/कुलसचिव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 इति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 दिनेश सिंह, सहायक निदेशक/असिस्टेन्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, श्री एस0पी0 सिंह, वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (विशेष आमंत्रित) एवं डॉ0 गिरिजा शंकर शुक्ल, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उपस्थित रहे।

योजना बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मा0 कुलपति जी एवं उपस्थित मा0सदस्यगण।

यूपीआरटीओयू
मुक्त चिंतन
न्यूज लेटर
26 जनवरी, 2018

गणतन्त्र दिवस समारोह

दिनाँक 26 जनवरी, 2018 को विश्वविद्यालय में गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। जिसमें माननीय कुलपति जी, अधिकारी, निदेशक, अध्यापकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

ध्वजा रोहण के लिए जाते हुए माननीय कुलपति, प्रो0 एम0पी0 दुबे जी एवं साथ में कुलसचिव, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल जी।

गणतन्त्र दिवस समारोह के अवसर पर ध्वजा रोहण करते हुए मा0 कुलपति, प्रो.एम.पी.दुबे जी एवं उपस्थित अधिकारी/अध्यापकगण/ कर्मचारीगण

गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय को आगे बढाने में यहां के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों का विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की स्थिति सुधारने में विश्वविद्यालय निरन्तर नये–नये कौशलयुक्त कार्यक्रम संचालित कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि विश्वविद्यालय को आगे बढाने में अपना भरपूर सहयोग प्रदान करें। हमें जो दायित्व सौंपे गये हैं उसका निष्ठापूर्वक निर्वहन करें तभी सच्चे अर्थो में हम संस्था के साथ न्याय कर सकेंगे। उन्होंने राष्ट्रसेवा में जुडने का आह्वान किया।

गणतन्त्र दिवस समारोह की कुछ झलकियां

गणतन्त्र दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के साथ ग्रंप फोटो ग्राफ कराते मा0 कुलपति जी

अमर उजाला

राष्ट्रीय सेमिनार 30 को

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी की पुण्य स्मृति में 30 जनवरी को 'भूमंडलीकरण एवं गांधी चिंतन' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया है। सेमिनार का आयोजन समाज विज्ञान विद्याशाखा की ओर से किया जाएगा। कुलपति प्रो.एमपी दुबे के मुताबिक सेमिनार में देशभर से विद्वानों, शोधार्थियों एवं गांधीवादी चिंतकों के शोधपत्र आमंत्रित किए गए हैं। प्रो. सुधांशु त्रिपाठी एवं आयोजन सचिव डॉ.एस कुमार ने बताया कि इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी करेंगे जबकि विशिष्ट अतिथि गांधीवादी विचारक पूर्व सांसद प्रो.रामजी सिंह होंगे। इच्छुक प्रतिभागी 28 जनवरी तक शोधपत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। विस्तृत विवरण विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
इलाहाबाद
हिन्दुस्तान 02
इलाहाबाद • गुरुवार • 18 जनवरी 2018

मुविवि में भूमंडलीकरण पर चिंतन को जुटेंगे दिग्गज

इलाहाबाद। मुक्त विवि में शहीद दिवस के अवसर पर गांधी जी की पुण्य स्मृति में राष्ट्रीय सेमिनार होगा। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने बताया कि 30 जनवरी को 'भूमंडलीकरण एवं गांधी चिंतन' पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित होगा। उद्घाटन मुख्य अतिथि हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी करेंगे व विशिष्ट अतिथि गांधीवादी विचारक पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह होंगे। इसमें पूर्व कुलपति इविवि प्रो. आरपी मिश्र, न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, प्रो. केबी पांडेय आदि विचार रखेंगे।

इलाहाबाद से प्रकाशित एकमात्र सांध्य दैनिक
प्रयागराज टाइम्स

"भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन" सेमिनार में जुटेंगे दिग्गज

प्रयागराज टाइम्स समाचार

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी की पुण्य स्मृति में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। प्रसिद्ध गांधीवादी चिन्तक कुलपति प्रो. एम.पी. दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय ने निर्णय लिया है कि 30 जनवरी को "भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन" पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जायेगा। जिसमें देश के प्रबुद्ध चिंतकों के विचार आयोजित कराये जायेंगे। उन्होंने राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन की जिम्मेदारी समाज विज्ञान विद्याशाखा को सौंपी है।

संगोष्ठी निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी प्रो. सुधांशु त्रिपाठी एवं आयोजन सचिव डॉ. एस. कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि जाने-माने गांधीवादी विचारक पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह होंगे।

इस अवसर पर विद्वान वक्ता प्रो. आरपी मिश्र पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय, प्रो. के.बी. पाण्डेय, प्रो. जनक पाण्डेय, प्रो. राजेंद्र प्रसाद कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय प्रो. बी.एल. शाह कुमायूं विश्वविद्यालय नैनीताल, प्रो. केसी पाण्डेय महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, प्रो. आरपी पाठक काशी विश्वविद्यालय वाराणसी, प्रो. सुरेंद्र वर्मा देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर आदि विचार व्यक्त करेंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. एम.पी. दुबे की अगुवाई में होगा। इसकी पूरी जानकारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा जारी की है।

दैनिक भास्कर
गुरुवार, 18 जनवरी 2018 लखनऊ
इलाहाबाद

'भूमंडलीकरण एवं गांधी चिंतन' में जुटेंगे दिग्गज

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी की पुण्य स्मृति में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। प्रसिद्ध गांधीवादी चिन्तक कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय ने निर्णय लिया है कि 30 जनवरी को 'भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन' पर राष्ट्रीय सेमिनार में देश के प्रबुद्ध चिन्तकों के विचार आयोजित कराये जाएंगे।

प्रो. दुबे ने बताया कि इस राष्ट्रीय सेमिनार में देशभर से विद्वानों, शोधार्थियों एवं गांधीवादी चिन्तकों के शोधपत्र आमंत्रित किए गए हैं। गांधी हमारी राष्ट्रीय धरोहर के महत्वपूर्ण अंग हैं। वे भारत के एक ऐसे व्यक्तित्व हैं जिनके विचारों, सिद्धान्तों, आदर्शों, मानवीय मूल्यों, सादगीपूर्ण जीवन एवं नैतिकता को वैश्विक स्तर पर सार्वभौमिक रूप से स्वीकार एवं आत्मसात किया जाता है। संगोष्ठी निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी प्रो. सुधांशु त्रिपाठी एवं आयोजन सचिव डॉ. एस कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि जाने-माने गांधीवादी विचारक पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह होंगे। इस अवसर पर विद्वान वक्ता प्रो. आरपी मिश्र पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय, न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण, न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, प्रो. केबी पाण्डेय, प्रो. जनक पाण्डेय, प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति इलाहाबाद राज्य विवि, प्रो. बीएल शाह, कुमायूं विवि, नैनीताल, प्रो. केसी पाण्डेय, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, प्रो. आरपी पाठक, काशी हिन्दू विवि, वाराणसी, प्रो. सुरेन्द्र वर्मा, देवी अहिल्याबाई विवि, इन्दौर आदि विचार व्यक्त करेंगे। प्रतिभागी सेमिनार में भूमंडलीकरण एवं भारतीय संस्कृति, भूमंडलीकरण, गांधी एवं उनके राजनीतिक विचार, भूमंडलीकरण, गांधी एवं धर्म, गांधी जी के आर्थिक विचार एवं भूमण्डलीकरण, भूमण्डलीकरण, गांधी एवं सामाजिक न्याय, गांधी जी एवं पत्रकारिता, गांधी जी एवं पर्यावरण आदि उपविषयों पर 28 जनवरी तक शोध पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

शुक्रवार 26 जनवरी 2018 इलाहाबाद /आस-पास जीवन एक्सप्रेस

मुविवि में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ

मुविवि में ध्वजारोहण आज

अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मल्टी स्टोरी कम्युनिटी हाल का निर्माण करायेगा मुविवि

जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
इलाहाबाद

मुविवि के 'भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन' सेमिनार में जुटेंगे दिग्गज

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी की पुण्य स्मृति में 30 जनवरी को 'भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में देश के प्रबुद्ध चिन्तकों के विचार आयोजित कराये जाएंगे।

कुलपति प्रो.एमपी दुबे ने बताया कि इस राष्ट्रीय सेमिनार में देश भर से विद्वानों, शोधार्थियों एवं गांधीवादी चिन्तकों के शोधपत्र आमंत्रित किए गए हैं। गांधी हमारी राष्ट्रीय धरोहर के महत्वपूर्ण अंग है। संगोष्ठी निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी प्रो. सुधांशु त्रिपाठी एवं आयोजन सचिव डा.एस. कुमार ने बताया कि सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि जाने माने गांधीवादी विचारक पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह होंगे। इस अवसर पर विद्वान वक्ता प्रो. आरपी मिश्र पूर्व कुलपति इविवि, न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, प्रो. केबी पाण्डेय, प्रोजनक पाण्डेय, प्रोराजेन्द्र प्रसाद कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, प्रो बीएल शाह कुमायूं विश्वविद्यालय नैनीताल, प्रोकेसी पाण्डेय महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, प्रोआरपी पाठक काशी हिन्दू विवि वाराणसी, प्रोसुरेन्द्र वर्मा देवी अहिल्याबाई विवि इन्दौर आदि विचार व्यक्त करेंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो.एमपी दुबे करेंगे।

जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
इलाहाबाद, मंगलवार, 30 जनवरी, 2018

मुविवि में 'भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन' पर सेमिनार आज

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी की पुण्य स्मृति में 30 जनवरी को 'भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन' पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा।

संगोष्ठी निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी प्रो. सुधांशु त्रिपाठी एवं आयोजन सचिव डा.एस. कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय करेंगे तथा अध्यक्षता जाने माने गांधीवादी विचारक पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह करेंगे। सारस्वत अतिथि प्रो. केबी पाण्डेय, पूर्व कुलपति कानपुर विश्वविद्यालय तथा मुख्य वक्ता प्रो. केसी पाण्डेय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी होंगे। इस अवसर पर इविवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र एवं इग्नू समाज विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो. डी. गोपाल द्वारा सम्पादित रीडिस्कवरिंग गांधी सीरिज के आठवें संस्करण का विमोचन न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय तथा न्यायमूर्ति सुधीर नारायण करेंगे।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. आरपी मिश्र, पूर्व कुलपति इविवि तथा सारस्वत अतिथि प्रो. सुरेन्द्र वर्मा, देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इन्दौर होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो.एमपी दुबे करेंगे। इस अवसर पर सेमिनार में विद्वान वक्ता प्रो. जनक पाण्डेय, पूर्व कुलपति, बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पटना, प्रोराजेन्द्र प्रसाद, कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, प्रो. बीएल शाह, कुमायूं विश्वविद्यालय, नैनीताल, प्रो. आरपी पाठक, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी आदि विचार व्यक्त करेंगे।

अमर उजाला
इलाहाबाद

न्यूज डायरी

मुक्त विवि में बनेगा बहुमंजिला कम्युनिटी हॉल

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अपने यमुना परिसर में जल्द ही अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मल्टी स्टोरी कम्युनिटी हॉल का निर्माण कराएगा। यह निर्णय बृहस्पतिवार को कुलपति प्रो. एमपी दुबे की अध्यक्षता में हुई योजना बोर्ड की बैठक में लिया गया। तय हुआ कि भूतल एवं प्रथम तल पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के लिए बड़े कक्ष एवं हॉल का निर्माण कराया जाएगा। इसमें अतिथि गृह का निर्माण भी कराया जाएगा। योजना बोर्ड ने सरस्वती परिसर में वाहनों की पार्किंग के लिए अंडरग्राउंड पार्किंग बनाए जाने का निर्णय लिया। बोर्ड ने सरस्वती परिसर में कैंटीन निर्माण पर भी विचार किया।

यूपीआरटीओयू मुक्त चिंतन

न्यूज लेटर

30 जनवरी, 2018

मा० न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी जी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय इलाहाबाद, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के प्रो० के०सी० पाण्डेय जी एवं कुमांयु विश्वविद्यालय, नैनीताल, प्रो० बी०एल० शाह जी से वार्ता करते हुए मा० कुलपति प्रो० एम०पी० दुबे जी।

भूमण्डलीकरण में बाजार हावी और नैतिक मूल्य हाशिये पर– न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी

प्रो० आर०पी० मिश्र की पुस्तक का हुआ विमोचन

मुविवि में ''भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर मंगलवार को ''भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि मा० न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय इलाहाबाद रहे। सारस्वत अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर के पूर्व कुलपति प्रो० के०बी० पाण्डेय एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के प्रो० के०सी० पाण्डेय जी रहे तथा संरक्षक के रुप में कुलपति प्रो० एम०पी० दुबे जी रहे। इस अवसर पर न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय एवं न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० आर०पी० मिश्र एवं इग्नू के समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो० डी० गोपाल द्वारा सम्पादित रीडिस्कवरिंग गांधी सीरिज के आठवें संस्करण का विमोचन किया। इस अवसर पर अतिथियों ने सेमिनार के ई–सोविनियर का विमोचन किया। शहीदों की याद में 11 बजे दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

संगोष्ठी में प्रो० राम जी सिंह, पूर्व सांसद एवं गॉधीवादी चिन्तक, प्रो० आर०पी० मिश्र, अवकाश प्राप्त कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो० के०बी० पाण्डेय, अवकाश प्राप्त कुलपति, कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर प्रो० राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने अपने–अपने विचार व्यक्त किये।

संगोष्ठी के अन्य तकनीकी सत्रें में प्रो० बी०एल० शाह, कुमांयु विश्वविद्यालय, नैनीताल, प्रो० सुरेन्द्र वर्मा, देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इन्दौर, प्रो० आर०पी० पाठक, बी.एच.यू. वाराणसी, संगोष्ठी निदेशक प्रो० सुधान्शु त्रिपाठी, संयोजक डॉ० एस० कुमार, आयोजन सचिव श्री सुनील कुमार एवं डॉ० रमेश चन्द्र यादव आदि ने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में देशभर के 100 से अधिक शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किये। सेमिनार की विषय वस्तु संगाष्ठी निदेशक प्रो० सुधान्शु त्रिपाठी ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ० रामजी मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो० जी०एस० शुक्ल ने किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ० रामजी मिश्र एवं महात्मा गाँधी जी के प्रतिमा पर माल्यापर्ण करते हुए मा० न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी जी।

मा0 अतिथियों को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 दीपशिखा श्रीवास्तव, डॉ0 अलका वर्मा, डॉ0 स्मिता अग्रवाल एवं डॉ0 श्रुति

ई–सोविनयर का विमोचन करते हुए मा0 अतिथिगण एवं साथ में सेमिनार समिति के सदस्यगण।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के बारे में एवं मा0 अतिथियों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी निदेशक प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी

मा0 अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए कुलपति जी तथा कुलपति जी अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए मा0 अतिथिगण।

मा0 न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी

भूमण्डलीकरण में बाजार हावी और नैतिक मूल्य हाशिये पर– न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी

मुख्य अतिथि मा0 न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने कहा कि भूमण्डलीकरण के इस दौर में बाजार हावी है और नैतिक मूल्य हाशिये पर चले गये हैं। न्यायमूर्ति मुरारी ने कहा कि साध्य के साथ साधन की पवित्रता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व में शान्ति प्रक्रिया स्थापित करने में गांधीवादी विचारों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उन्होंने कहा कि गांधी जी का चिन्तन कर्मशील भी है एवं व्यवहार पर आधारित है। महात्मा गांधी की विशेषता उनके कालजीवी होने में है। यही कारण है कि आज की प्रमुख परिस्थितियों की जटिलता ने गांधी जी को प्रासंगिक बना दिया है। कर्मनिष्ठ व्यक्ति के रूप में गांधी जी ने तात्कालिक समस्या के जो समाधान खोजे वे आज भी प्रासंगिक हैं।

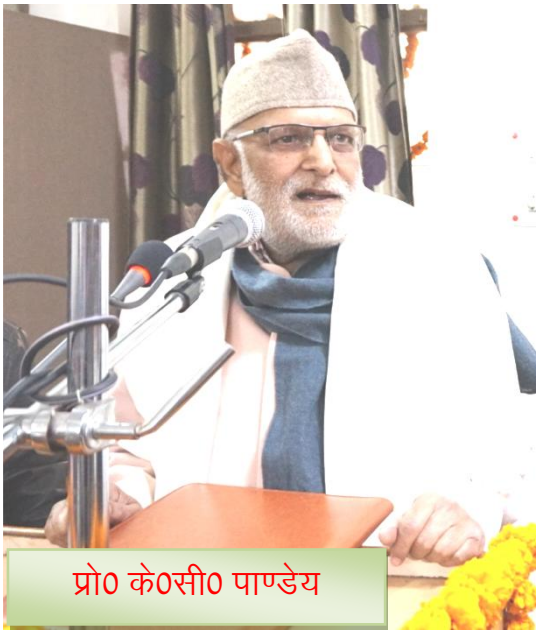

प्रो0 के0सी0 पाण्डेय

राष्ट्रीय संगोष्ठी का बीज भाषण देते हुये मुख्य वक्ता प्रो0 के0सी0 पाण्डेय ने कहा कि आज भूमण्डलीकरण और उत्तर आधुनिकता की दो धाराएं समान्तर चल रही है। एक में प्रवाह केन्द्रीयकरण की ओर है तो दूसरे में स्थानीयकरण की ओर। उन्होंने कहा कि बाजारवाद का बोलबाला बढ़ने से लोभ की प्रवृत्ति हावी हो गयी। मनुष्य का जो आपसी संबंध था वह आर्थिक एवं मूल्यहीन हो गया। भूमण्डलीकरण ने अकेलापन और परायापन को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि गांधी चिंतन अंतरआत्मा की आवाज पर आधारित चिंतन है। नैतिकता और कुशलता सदगुण है और पूर्ण सदगुण ही गांधी चिंतन है।

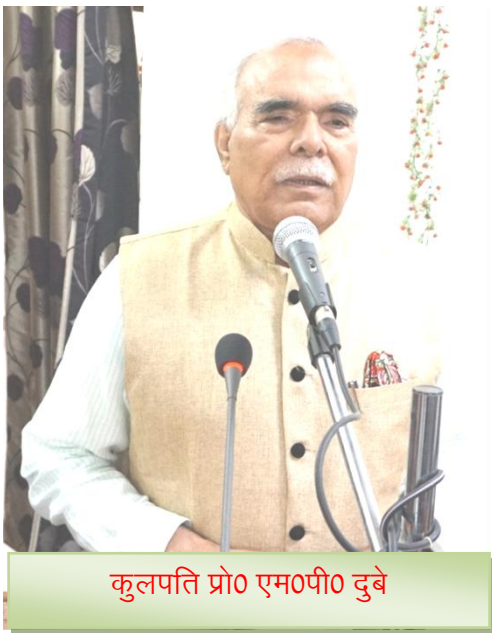

कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे

कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि गांधी चिंतन आज पूरे विश्व में पहुंच गया है। गांधी के विचारों से पूरा विश्व प्रभावित है। सत्य और अहिंसा स्वराज के दो स्तम्भ है। प्रो0 दुबे ने सत्याग्रह, असहयोग, दांडीयात्रा के अनेक अनछुए पहलुओं की चर्चा की। उन्होंने कहा कि जब विश्व के सभी समाज सीमा विहीन हो जायें तो भूमण्डलीकरण है। विश्व के समाज एक दूसरे से जुड़ते जाते हैं यही भूमण्डलीकरण है।

शहीद दिवस के अवसर पर शहीदों की याद में 11 बजे दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मा0 अतिथिगण एवं प्रतिभागीगण।

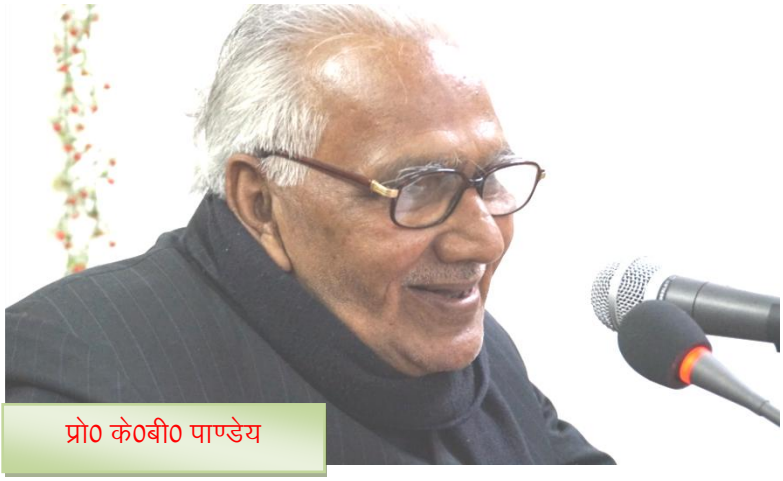

प्रो0 के0बी0 पाण्डेय

सारस्वत अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर के पूर्व कुलपति प्रो0 के0बी0 पाण्डेय ने कहा कि भूमण्डलीकरण के लक्ष्य का चिंतन करना आवश्यक है। वर्तमान समय राजनीति से प्रभावित है। गांधी चिंतन का सबसे बड़ा दस्तावेज हिन्द स्वराज है। हम सबके अंदर गांधी हैं। कोई यह नहीं कह सकता कि हम गांधी को नहीं जानते। प्रो0 पाण्डेय ने प्रश्न उठाया कि भूमण्डलीकरण में यदि तकनीक ने समय की बचत की है तो फिर हमारे पास समय क्यों नहीं है?

मा0 अतिथियों को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई सुश्री मारिषा, डॉ0 अलका वर्मा एवं डॉ0 नीता मिश्रा।

मा0 अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए कुलपति जी

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र एवं इग्नू के समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 डी0 गोपाल द्वारा सम्पादित रीडिस्कवरिंग गांधी सीरिज के आठवें संस्करण का विमोचन मा0 अतिथिगण।

सारस्वत अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि भूमण्डलीकरण राष्ट्रीय सीमाओं के बाहर बाजार को जोड़ने और खोलने की प्रक्रिया है। इसमें बहुत सी चुनौतियां भी हैं। भूमण्डलीकरण के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष हैं। इसके लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक है। प्रो0 प्रसाद ने कहा कि गांधी जी मानवता विहीन प्रौद्योगिकी के पक्ष में नहीं थे। गांधी जी मानते थे कि जितनी कम आवश्कताएं मनुष्य की होगी उतना श्रेष्ठ समाज बनेगा और शांति आएगी। प्रकृति ने मनुष्य की आवश्यकताओं के लिए बहुत कुछ दिया है। उन्होंने अवसरों की समानता पर बल दिया।

प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद

न्यायमूर्ति सुधीर नारायण

सारस्वत अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि गांधी चिंतन का मुख्य आधार सर्वोदय है। गांधी जी का मानना था सबका उदय, सबको शिक्षा, स्वास्थ्य और समस्त आर्थिक अवसर प्राप्त हो। उन्होंने कहा यह तभी संभव होगा जब संविधान, राज्य और प्रत्येक व्यक्ति दूसरे की पीड़ा को समझे। न्यायमूर्ति नारायण ने कहा कि वर्तमान में आर्थिक समानता पर आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति प्रत्येक व्यक्ति को मिले।

मा0 प्रो0 रामजी सिंह जी एवं प्रो0 आर0पी0 पाठक जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए कुलपति

सारस्वत अतिथि न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि आज गांधी जी के सोचने–समझने की क्षमता पर विचार करने की आवश्यकता है। कांग्रेस के नेताओं में देश को आजादी दिलाने के लिए विचार–मन्थन चल रहा था लेकिन महात्मा गांधी के आने के बाद ही हर व्यक्ति स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़ा। उन्होंने हर व्यक्ति को जनान्दोलन से जोड़ा। समाज के निचले तबके की चिंता गांधी जी ने की। न्यायमूर्ति मालवीय ने कहा कि गांधी जी के विचार बहुत व्यापक रहते थे। उनके पास जो पत्र आते थे उसमें खाली स्थान पर वह नोट्स बनाने का काम करते थे। रहन–सहन में भी सादगी पसन्द थे। उनके शरीर पर कम से कम वस्त्र होते थे। गरीबों और जनमानस के विकास पर उनका चिंतन था। वह चीजों के सदुपयोग पर बल देते थे।

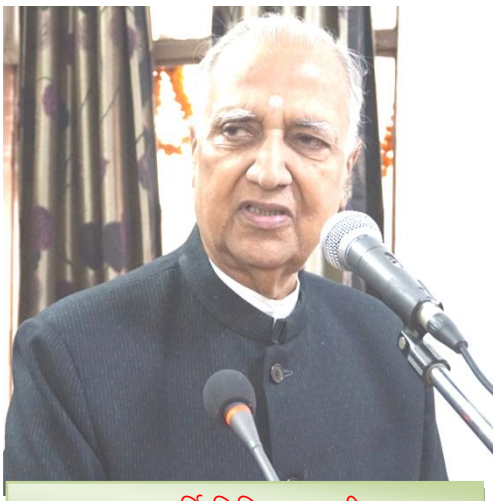

न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय

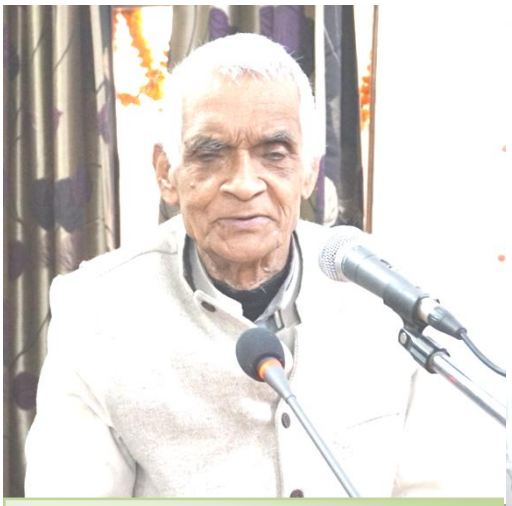

प्रो0 रामजी सिंह

गांधीवादी चिन्तक एवं पूर्व सांसद प्रो0 रामजी सिंह ने अध्यक्षता करते हुये कहा कि गांधी चिंतन सिर्फ भारत नहीं बल्कि पूरे विश्व का चिंतन था। गांधी विश्व को परिवार मानते थे। उन्होंने कहा कि अब संकीर्ण राष्ट्रवाद के दिन समाप्त हो चुके हैं। संकीर्ण राष्ट्रीयता विज्ञान ओर आध्यात्मक विरूद्ध है। यदि अब हम मिलकर नहीं रह सकते तो हमारा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। प्रो0 सिंह ने कहा कि भूमण्डलीकरण फैशन नहीं बल्कि अनिवार्यता है परन्तु वर्तमान की वैश्वीकता थोपी हुई वैश्वीकता है। निजीकरण स्वार्थ की परिकल्पना से पूर्ण है। नव साम्राज्यवाद विश्व के लिए खतरा है।

प्रो0 आर0पी0 मिश्र

सारस्वत अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र ने कहा कि आज वैश्वीकरण की अवधारणा बहुत अच्छी है लेकिन चुनौती यही है कि बुरी चीजों को आत्मसात कर रहे हैं और अच्छी चीजों का त्याग कर रहे हैं। आज गांवों से नौजवान पलायन कर रहे हैं। गांवों में नौजवानों के न रहने से समस्या बढ़ रही है मानवता घट रही है। कौशल विकास के कार्यक्रमों को गांवों तक ले जाने की आवश्यकता है। देश की बदलती परिस्थितियों के अनुरूप रोजगारपरक कार्यक्रमों का विकास किया जाना चाहिए।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

समापन सत्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर ''भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन'' विषय एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 30.01.2018 को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रर्थ सभागार में आयोजित किया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो0 सुरेन्द्र वर्मा प्रो0 (से.नि.) देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर, मध्य प्रदेश रहे।

अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रो0 आर0पी0 पाठक जी

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो0 सुरेन्द्र वर्मा प्रो0 (से.नि.) देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर, मध्य प्रदेश थे। उन्होंने कहा कि भूमण्डलीकरण एक बहुराष्ट्रीय उपनिवेशवाद है, और गांधी जी का मानना था कि संस्कृति के पहचान की लड़ाई बगैर उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष से अधूरी रह जायेगी। उन्होंने कहा कि केवल भारतीय दिखना ही नहीं बल्कि रहने के साथ भारतीयता का भाव भी होना चाहिए। उनके अनुसार गांधी जी ''वसुधैव कुटुम्बकम'' के मार्ग का सदैव अनुसरण किया तथा लोगों को इसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने सदैव शोषण, असमानता एवं गरीबी का सदैव विरोध किया तथा इसके स्थायी निराकरण का मार्ग भी बताया। वे स्वदेशी के प्रबल पक्षधर रहे हैं। प्रो0 वर्मा के अनुसार वैज्ञानिक प्रगति तथा विकास के चलते पूरा भूमण्डल एक वैश्विक गांव हो गया है, और सभी देश आपस में एक देश से दूसरे देश में आ जा सकते हैं। इस भूमण्डलीकरण के कारण ही दुनिया सिमट कर काफी छोटी हो गयी।

प्रो0 सुरेन्द्र वर्मा

प्रो0 सुरेन्द्र वर्मा जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए संगोष्ठी के सदस्यगण।

इलाहाबाद, बुधवार, 31 जनवरी, 2018

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

इलाहाबाद, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

पुलिस अधिकारी अपने मोबाइल खुले रखें : डीजीपी - 9

पुजारा वार्क शायर से करेंगे इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ की तैयारी - 13

मुविवि में 'भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

भूमण्डलीकरण में बाजार हावी और नैतिक मूल्य हाशिये पर : न्यायमूर्ति कृष्णमुरारी

इलाहाबाद। भूमण्डलीकरण के इस दौर में बाजार हावी है और नैतिक मूल्य हाशिये पर चले गये हैं। साध्य के साथ साधन की पवित्रता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व में शान्ति प्रक्रिया स्थापित करने में गांधीवादी विचारों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

उक्त विचार मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर मंगलवार को ''भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन'' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करने के उपरांत व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी का चिन्तन कर्मशील भी है एवं व्यवहार पर आधारित है। महात्मा गांधी की विशेषता उनके कालजीवी होने में है। यही कारण है कि आज की प्रमुख परिस्थितियों की जटिलता ने गांधी जी को प्रासंगिक बना दिया है। कर्मनिष्ठ व्यक्ति के रूप में गांधी जी ने तात्कालिक समस्या के जो समाधान खोजे वे आज भी प्रासंगिक हैं।

कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि गांधी चिंतन आज पूरे विश्व में पहुंच गया है। गांधी के विचारों से पूरा विश्व प्रभावित है। सत्य और अहिंसा स्वराज के दो स्तम्भ है। प्रो. दुबे ने सत्याग्रह, असहयोग, दांडीयात्रा के अनेक अनछुए पहलुओं पर चर्चा की और कहा कि जब विश्व के सभी समाज सीमा विहीन हो जायें तो भूमण्डलीकरण है। विश्व के समाज एक दूसरे से जुड़ते जाते हैं यही भूमण्डलीकरण है। सारस्वत अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. केश्री पाण्डेय ने कहा कि भूमण्डलीकरण के लक्ष्य का चिंतन करना आवश्यक है। वर्तमान समय राजनीति से प्रभावित है। गांधी चिंतन का सबसे बड़ा दस्तावेज हिन्द स्वराज है। कोई यह नहीं कह सकता कि हम गांधी को नहीं जानते। प्रो. पाण्डेय ने प्रश्न उठाया कि भूमण्डलीकरण में यदि तकनीक ने समय की बचत की है तो फिर हमारे पास समय क्यों नहीं है?

संबोधित करते न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी

न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि आज गांधीजी के सोचने-समझने की क्षमता पर विचार करने की आवश्यकता है। कहा कि गांधीजी के विचार बहुत व्यापक रहते थे। उनके पास जो पत्र आते थे उसमें खाली स्थान पर वह नोट्स बनाने का काम करते थे। वह चीजों के सदुपयोग पर बल देते थे। न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि गांधी चिंतन का मुख्य आधार सर्वोदय है। गांधीजी का मानना था सबका उदय, सबको शिक्षा, स्वास्थ्य और समस्त आर्थिक अवसर प्राप्त हो। उन्होंने कहा यह तभी संभव होगा जब संविधान, राज्य और प्रत्येक व्यक्ति दूसरे की पीड़ा को समझे। न्यायमूर्ति नारायण ने कहा कि वर्तमान में आर्थिक समानता पर आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति प्रत्येक व्यक्ति को मिले। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि भूमण्डलीकरण राष्ट्रीय सीमाओं के बाहर बाजार को जोड़ने और खोलने की प्रक्रिया है, इसमें बहुत सी चुनौतियां भी हैं। भूमण्डलीकरण के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष हैं। इसके लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक है। कहा कि गांधीजी मानवता विहीन प्रौद्योगिकी के पक्ष में नहीं थे। गांधीजी मानते थे कि जितनी कम आवश्कताएं मनुष्य की होगी उतना श्रेष्ठ समाज बनेगा और शांति आएगी। प्रकृति ने मनुष्य की आवश्यकताओं के लिए बहुत कुछ दिया है। उन्होंने अवसरों की समानता पर बल दिया।

गांधीवादी चिन्तक एवं पूर्व सांसद प्रो.रामजी सिंह ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि गांधी चिंतन सिर्फ भारत नहीं बल्कि पूरे विश्व का चिंतन था। कहा कि संकीर्ण राष्ट्रीयता विज्ञान और आध्यात्मक विरूद्ध है। यदि अब हम मिलकर नहीं रह सकते तो हमारा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। भूमण्डलीकरण फैशन नहीं बल्कि अनिवार्यता है परन्तु वर्तमान की वैश्वीकता थोपी हुई वैश्वीकता है। निजीकरण स्वार्थ की परिकल्पना से पूर्ण है। नव साम्राज्यवाद विश्व के लिए खतरा है। इविवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र ने कहा कि आज वैश्वीकरण की अवधारणा बहुत अच्छी है लेकिन चुनौती यही है कि बुरी चीजों को आत्मसात कर रहे हैं और अच्छी चीजों का त्याग कर रहे हैं। आज गांवों से नौजवान पलायन कर रहे हैं। गांवों में नौजवानों के न रहने से समस्या बढ़ रही है मानवता घट रही है। देश की बदलती परिस्थितियों के अनुरूप रोजगारपरक कार्यक्रमों का विकास किया जाना चाहिए। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के प्रो. केसी पाण्डेय ने कहा कि आज भूमण्डलीकरण और उत्तर आधुनिकता की दो धाराएं समान्तर चल रही है। एक में प्रवाह केन्द्रीयकरण की ओर है तो दूसरे में स्थानीयकरण की ओर। बाजारवाद का बोलबाला बढ़ने से लोभ की प्रवृत्ति हावी हो गयी। मनुष्य का जो आपसी संबंध था वह आर्थिक एवं मूल्यहीन हो गया। भूमण्डलीकरण ने अकेलापन और परायापन को बढ़ावा दिया। गांधी चिंतन अंतरआत्मा की आवाज पर आधारित चिंतन है। नैतिकता और कुशलता सद्गुण है और पूर्ण सद्गुण ही गांधी चिंतन है। सेमिनार की विषय वस्तु संगोष्ठी निदेशक प्रो.सुधान्शु त्रिपाठी ने प्रस्तुत की। संचालन डा.रामजी मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. जीएस शुक्ल ने किया।

e-paper : www.dailynewsactivist.com इलाहाबाद, बुधवार, 31 जनवरी 2018, माघ मास शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, संवत् 2074 विक्रमी

वर्ष-11, अंक-108, पृष्ठ-16, मूल्य- ₹ 3.00, नगर संस्करण

website : www.dnahindi.com

शब्द शब्द संघर्ष

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

RNI NO.: UPHIN/2007/42669

डाक पंजीयन : एसएसपी/एल.डब्ल्यू./एन.पी.-350/2016-18

संस्करण : लखनऊ ■ इलाहाबाद

16 पाकिस्तान को हराकर भारत फाइनल में

8 बजट में चाहिए समावेशी विकास पर जोर | 9 किसानों की दुर्दशा सबसे बड़ी समस्या | 14 तकनीकी शिक्षा के नाम पर ठगी का शिकार हो रहे बच्चे

भूमंडलीकरण के दौर में हाशिये पर नैतिक मूल्यः न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी

डेली न्यूज़ नेटवर्क

- इविवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र की पुस्तक का विमोचन
- मुविवि में 'भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

इलाहाबाद। भूमण्डलीकरण के इस दौर में बाजार हावी है और नैतिक मूल्य हाशिये पर चले गये हैं। साध्य के साथ साधन की पवित्रता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व में शान्ति प्रक्रिया स्थापित करने में गांधीवादी विचारों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। गांधी जी का चिन्तन कर्मशील भी है एवं व्यवहार पर आधारित है। महात्मा गांधी की विशेषता उनके कालजीवी होने में है। यही कारण है कि आज की प्रमुख परिस्थितियों की जटिलता ने गांधी जी को प्रासंगिक बना दिया है। कर्मनिष्ठ व्यक्ति के रूप में गांधी जी ने तात्कालिक समस्या के जो समाधान खोजे वे आज भी प्रासंगिक हैं। यह बातें न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी ने कहीं। वे उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) में शहीद दिवस के अवसर पर 'भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

मुविवि कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने गांधी के विचारों से पूरा विश्व प्रभावित है। सत्य और अहिंसा स्वराज के दो स्तम्भ है। कहा कि जब विश्व के सभी समाज सीमा विहीन हो जायें तो भूमण्डलीकरण है। विश्व के समाज एक दूसरे से जुड़ते जाते हैं यही भूमण्डलीकरण है। कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. केश्री पाण्डेय ने कहा कि भूमण्डलीकरण के लक्ष्य का चिंतन करना आवश्यक है। पूर्व न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि गांधी जी ने हर व्यक्ति को जनान्दोलन से जोड़ा।

न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि गांधी चिंतन का मुख्य आधार सर्वोदय है। गांधी जी का मानना था सबका उदय, सबको शिक्षा, स्वास्थ्य और समस्त आर्थिक अवसर प्राप्त हो। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि भूमण्डलीकरण के लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक है। गांधी जी मानवता विहीन प्रौद्योगिकी के पक्ष में नहीं थे। गांधी जी मानते थे कि जितनी कम आवश्कताएं मनुष्य की होगी उतना श्रेष्ठ समाज बनेगा और शांति आएगी।

गांधीवादी चिन्तक एवं पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह ने कहा कि संकीर्ण राष्ट्रीयता विज्ञान और आध्यात्मक विरुद्ध है। कहा कि भूमण्डलीकरण फैशन नहीं बल्कि अनिवार्यता है परन्तु वर्तमान की वैश्वीकता थोपी हुई वैश्वीकता है। नव साम्राज्यवाद विश्व के लिए खतरा है। इविवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र ने कहा कि देश की बदलती परिस्थितियों के अनुरूप रोजगारपरक कार्यक्रमों का विकास किया जाना चाहिए।

मुख्य वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के प्रो. केसी पाण्डेय ने कहा कि गांधी चिंतन अंतरआत्मा की आवाज पर आधारित चिंतन है। नैतिकता और कुशलता सदगुण हैं और पूर्ण सदगुण ही गांधी चिंतन है। सेमिनार की विषय वस्तु संगोष्ठी निदेशक प्रो. सुधान्शु त्रिपाठी ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ. रामजी मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. जीएस शुक्ल ने किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय एवं न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने इविवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र एवं इग्नू के समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. डी. गोपाल द्वारा सम्पादित रीडिस्कवरिंग गांधी सीरीज के आठवें संस्करण का विमोचन किया। संगोष्ठी के अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो. बीएल शाह, कुमायुं विश्वविद्यालय, नैनीताल, प्रो. सुरेन्द्र वर्मा, देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इन्दौर, प्रो० आर०पी० पाठक, प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, डॉ. एस कुमार, सुनील कुमार एवं डॉ. रमेश चन्द्र यादव आदि ने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में देशभर के 100 से अधिक शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

इलाहाबाद 31-01-2018

http://www.dailynewsactivist.com

शब्द शब्द संघर्ष राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

अमर उजाला
इलाहाबाद
बुधवार, 31 जनवरी 2018

उपलब्धि | भारतवंशी डॉक्टर ने 35 हजार फुट की ऊंचाई पर कराई डिलीवरी | उत्तर प्रदेश

भूमंडलीकरण के दौर में बाजार हावी, नैतिक मूल्य हाशिए पर

मुविवि की राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोले न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी

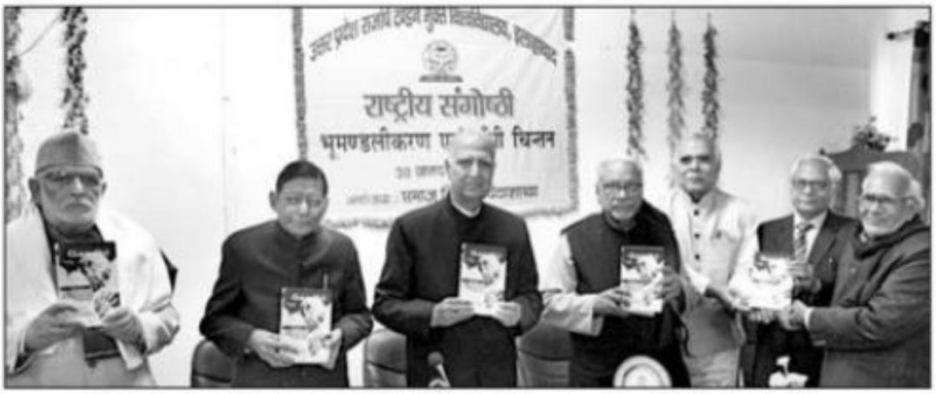

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि में आयोजित संगोष्ठी में पुस्तक का विमोचन हुआ। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद।

भूमंडलीकरण के दौर में बाजार हावी है और नैतिक मूल्य हाशिए पर चल गए हैं। यह विचार न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी ने मंगलवार को राजर्षि टंडन मुक्त विवि में 'भूमंडलीकरण एवं गांधी चिंतन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। इविवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र एवं इग्नू के समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. डी. गोपाल की ओर से संपादित 'रीडिस्कवरिंग गांधी सिरीज' के आठवें संस्करण का विमोचन भी किया गया।

न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी ने कहा कि साध्य के साथ साधन की पवित्रता पर ध्यान देने की जरूरत है। विश्व में शांति स्थापित करने में गांधीवादी विचारों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो सकती है। मुविवि के कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि गांधी चिंतन आज पूरे विश्व में पहुंच गया है और उनके विचारों से पूरा विश्व प्रभावित है। कानपुर विवि के पूर्व कुलपति प्रो. केपी पांडेय ने कहा कि गांधी चिंतन का सबसे बड़ा दस्तावेज हिंद स्वराज है। न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि गांधीजी के सोचने-समझने की क्षमता पर विचार करने की जरूरत है। न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि गांधी चिंतन का मुख्य आधार सर्वोदय है।

पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र की पुस्तक का हुआ विमोचन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि गांधी जी मानवता विहीन प्रोद्योगिकी के पक्ष में नहीं थे। गांधीवादी चिंतक एवं पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि गांधी चिंतन सिर्फ भारत नहीं, बल्कि पूरे विश्व का चिंतन है। मुख्य वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के प्रो. केसी पांडेय ने कहा कि आज भूमंडलीकरण और उत्तर आधुनिकता की दो धाराएं समानांतर चल रही हैं। सेमिनार की विषय वस्तु संगोष्ठी निदेशक प्रो. सुधांशु त्रिपाठी ने प्रस्तुत की। डॉ. रामजी मिश्र ने संचालन एवं प्रो. जीएस शुक्ल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान देशर भर के 100 से अधिक शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

इलाहाबाद, बुधवार
31 जनवरी 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 20

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पं. बंगाल से प्रकाशित

भारत की शालीनता को गलत न समझे पाक : राजनाथ } 19 शाहरुख खान का अलीबाग फार्म हाउस अटैच } 19

नैनी/झूंसी/फाफामऊ

नैतिक मूल्य हाशिए पर : न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी

फाफामऊ, इलाहाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर 'भूमण्डलीकरण' एवं गांधी चिंतन पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी ने कहा कि भूमण्डलीकरण के इस दौर में बाजार हावी है और नैतिक मूल्य हाशिये पर चले गये हैं। साध्य के साथ साधन की पवित्रता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. केबी पाण्डेय ने कहा कि भूमण्डलीकरण के लक्ष्य का चिंतन करना आवश्यक है। वर्तमान समय राजनीति से प्रभावित है। न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा आज गांधी जी के सोचने-समझने की क्षमता पर विचार करने की आवश्यकता है। उनका गरीबों और जनमानस के विकास पर चिंतन था। वह चीजों के सदुपयोग पर बल देते थे। न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि गांधी चिंतन का मुख्य आधार सर्वोदय है। उनका मानना था सबका उदय, सबको शिक्षा, स्वास्थ्य और समस्त आर्थिक अवसर प्राप्त हो। राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद, पूर्व सांसद प्रो. राम जी सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र और महात्मा गांधी विद्यापीठ वाराणसी के प्रो. केसी पाण्डेय ने भी अपने विचार रखे। इसके पूर्व इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र एवं इग्नू के समाज विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो. डी गोपाल द्वारा संपादित गांधी सीरिज के आठवें संस्करण का विमोचन किया गया। कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने अतिथियों का आभार जताया।

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

शहादत दिवस पर मुक्त विवि और इविवि के गांधी भवन में हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

सबमें है गांधी, पहचानने की जरूरत

पुण्य स्मरण

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

शहादत दिवस पर मंगलवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 'भूमंडलीकरण एवं गांधी चिंतन' तो इविवि के गांधी विचार एवं शांति अध्ययन संस्थान (गांधी भवन) में 'हिन्दुस्तान, हिन्दी और महात्मा गांधी' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई।

मुक्त विवि में हुई गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी ने कहा कि भूमंडलीकरण के इस दौर में बाजार हावी है और नैतिक मूल्य हाशिए पर चले गए हैं। साध्य के साथ साधन की पवित्रता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सारस्वत अतिथि कानपुर विवि के पूर्व कुलपति प्रो. केबी पांडेय ने कहा कि हम सबके अंदर गांधी हैं। बस जरूरत है उसे पहचानने की। कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि गांधी के विचारों से पूरा विश्व प्रभावित है। न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि आज गांधी जी के सोचने-समझने की क्षमता पर विचार करने की आवश्यकता है। न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि गांधी चिंतन का मुख्य आधार सर्वोदय है। इलाहाबाद राज्य विवि के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, गांधीवादी चिंतक एवं पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह, इविवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र, काशी विद्यापीठ के प्रो. केसी पांडेय ने भी विचार व्यक्त किए। प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, डॉ. रामजी मिश्र, कुलसचिव प्रो. जीएस शुक्ल उपस्थित थे। इविवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र एवं इग्नू के प्रो. डी गोपाल द्वारा संपादित रीडिस्कवरिंग गांधी सीरिज के आठवें संस्करण का विमोचन भी किया गया।

मंगलवार को मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में गांधी पर आधारित पुस्तक का विमोचन करते अतिथिगण। • हिन्दुस्तान

गांधी के जीवन से बड़ी थी उनकी शहादतः गांधी भवन में हुई संगोष्ठी में मुख्य अतिथि गांधीवादी चिंतक प्रो. रामजी सिंह ने कहा कि गांधी का जीवन जितना बड़ा था, उनकी शहादत उससे भी कई गुना बड़ी थी।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में विपुल विजेता

शहीद दिवस के मौके पर केपी ट्रेनिंग कॉलेज में काव्य पाठ और वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। वाद-विवाद प्रतियोगिता में पक्ष में बोलने वाले केपी ट्रेनिंग कॉलेज के विपुल प्रकाश पांडेय को सर्वोच्च वक्ता चुना गया। विपक्ष में बोलने वाले सचिन कुमार मिश्रा को रनरअप की चल वैजंती दी गई। सांत्वना पुरस्कार एसएस खन्ना गर्ल्स कॉलेज की मोनिता को दिया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में ईसीसी की तुलिका डे प्रथम और केपी ट्रेनिंग कॉलेज के बलराम ओझा द्वितीय रहे। सांत्वना पुरस्कार ईसीसी की जूही सैनी को दिया गया। मुख्य अतिथि ईसीसी की डॉ. ग्रेस जमन रहीं जबकि अध्यक्षता चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ने की। इस मौके पर डॉ. नीलिमा सिंह, डॉ. सरोज, डॉ. ऊषा दुबे, डॉ. अंजना श्रीवास्तव, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. राजेश पांडेय आदि मौजूद थे। प्राचार्य डॉ. शोभा श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया।

पहलुओं पर रखे विचार

इविवि की एनएसएस इकाई की ओर से शहीद दिवस पर विचार गोष्ठी हुई। इसका विषय गांधीजी-युग प्रवर्तक के सपनों का भारत व युवा था। समन्वयक डॉ. मंजू सिंह, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राहुल पटेल, डॉ. पीके अस्तालिन, डॉ. अन्विता रघुवंशी, डॉ. सपना ने गांधी के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रकट किए। गांधी भजनों की प्रस्तुति भी हुई।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

....सच का आधार

वर्ष : 8 अंक : 302 इलाहाबाद, बुधवार 31 जनवरी 2018 पृष्ठ 8 मूल्य : 1 रुपया

भूमण्डलीकरण में बाजार हावी व नैतिक मूल्य हाशिये पर : न्यायमूर्ति कृष्णमुरारी

इलाहाबाद। भूमण्डलीकरण के इस दौर में बाजार हावी है और नैतिक मूल्य हाशिये पर चले गये हैं। साध्य के साथ साधन की पवित्रता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व में शान्ति प्रक्रिया स्थापित करने में गांधीवादी विचारों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उक्त विचार मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर मंगलवार को "भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करने के उपरांत व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी का चिन्तन कर्मशील भी है एवं व्यवहार पर आधारित है। महात्मा गांधी की विशेषता उनके कालजीवी होने में है। यही कारण है कि आज की प्रमुख परिस्थितियों की जटिलता ने गांधी जी को प्रासंगिक बना दिया है। कर्मनिष्ठ व्यक्ति के रूप में गांधी जी ने तात्कालिक समस्या के जो समाधान खोजे वे आज भी प्रासंगिक हैं। कुलपति प्रो. एम.पी दुबे ने कहा कि गांधी चिंतन आज पूरे विश्व में पहुंच गया है। गांधी के विचारों से पूरा विश्व प्रभावित है। सत्य और अहिंसा स्वराज के दो स्तम्भ है। प्रो. दुबे ने सत्याग्रह, असहयोग, दांडीयात्रा के अनेक अनछुए पहलुओं पर चर्चा की और कहा कि जब विश्व के सभी समाज सीमा विहीन हो जायें तो भूमण्डलीकरण है। विश्व के समाज एक दूसरे से जुड़ते जाते हैं यही भूमण्डलीकरण है। सारस्वत अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. के.बी पाण्डेय ने कहा कि भूमण्डलीकरण के लक्ष्य का चिंतन करना आवश्यक है। वर्तमान समय राजनीति से प्रभावित है। गांधी चिंतन का सबसे बड़ा दस्तावेज हिन्द स्वराज है। कोई यह नहीं कह सकता कि हम गांधी को नहीं जानते। प्रो. पाण्डेय ने प्रश्न उठाया कि भूमण्डलीकरण में यदि तकनीक ने समय की बचत की है तो फिर हमारे पास समय क्यों नहीं है? न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि आज गांधीजी के सोचने-समझने की क्षमता पर विचार करने की आवश्यकता है। कहा कि गांधीजी

के विचार बहुत व्यापक रहते थे। उनके पास जो पत्र आते थे उसमें खाली स्थान पर वह नोट्स बनाने का काम करते थे। वह चीजों के सदुपयोग पर बल देते थे। न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि गांधी चिंतन का मुख्य आधार सर्वोदय है। गांधीजी का मानना था सबका उदय, सबको शिक्षा, स्वास्थ्य और समस्त आर्थिक अवसर प्राप्त हो। उन्होंने कहा यह तभी संभव होगा जब संविधान, राज्य और प्रत्येक व्यक्ति दूसरे की पीड़ा को समझे। न्यायमूर्ति नारायण ने कहा कि वर्तमान में आर्थिक समानता पर आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति प्रत्येक व्यक्ति को मिले। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि भूमण्डलीकरण राष्ट्रीय सीमाओं के बाहर बाजार को जोड़ने और खोलने की प्रक्रिया है, इसमें बहुत सी चुनौतियां भी हैं। भूमण्डलीकरण के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष हैं। इसके लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक है। कहा कि गांधीजी मानवता विहीन प्रौद्योगिकी के पक्ष में नहीं थे। गांधीजी मानते थे कि जितनी कम आवश्यकताएं मनुष्य की होगी उतना श्रेष्ठ समाज बनेगा और शांति आएगी। प्रकृति ने मनुष्य की आवश्यकताओं के लिए बहुत कुछ दिया है। उन्होंने अवसरों की समानता पर बल दिया। गांधीवादी चिन्तक एवं पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि गांधी चिंतन सिर्फ भारत नहीं बल्कि पूरे विश्व का चिंतन था। कहा कि संकीर्ण राष्ट्रीयता विज्ञान और आध्यात्मक विरुद्ध है। यदि अब हम मिलकर नहीं रह सकते तो हमारा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। भूमण्डलीकरण फैशन नहीं बल्कि अनिवार्यता है परन्तु वर्तमान की वैश्वीकता थोपी हुई वैश्वीकता है। निजीकरण स्वार्थ की परिकल्पना से पूर्ण है। नव साम्राज्यवाद विश्व के लिए खतरा है। इविविद्य के पूर्व कुलपति प्रो. आर.पी मिश्र ने कहा कि आज वैश्वीकरण की अवधारणा बहुत अच्छी है लेकिन चुनौती यही है कि बुरी चीजों को आत्मसात कर रहे हैं और अच्छी चीजों का त्याग कर रहे हैं। आज गांवों से नौजवान पलायन कर रहे हैं। गांवों में नौजवानों के न रहने से समस्या बढ़ रही है मानवता घट रही है। देश की बदलती परिस्थितियों के अनुरूप रोजगारपरक कार्यक्रमों का विकास किया जाना चाहिए। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के प्रो. के.सी पाण्डेय ने कहा कि आज भूमण्डलीकरण और उत्तर आधुनिकता की दो धाराएं समान्तर चल रही है। एक में प्रवाह केन्द्रीयकरण की ओर है तो दूसरे में स्थानीयकरण की ओर। बाजारवाद का बोलबाला बढ़ने से लोभ की प्रवृत्ति हावी हो गयी। मनुष्य का जो आपसी संबंध था वह आर्थिक एवं मूल्यहीन हो गया। भूमण्डलीकरण ने अकेलापन और परायापन को बढ़ावा दिया। गांधी चिंतन अंतरआत्मा की आवाज पर आधारित चिंतन है। नैतिकता और कुशलता सदगुण है और पूर्ण सदगुण ही गांधी चिंतन है। सेमिनार की विषय वस्तु संगोष्ठी निदेशक प्रो. सुधान्शु त्रिपाठी ने प्रस्तुत की। संचालन डा. रामजी मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. जी.एस शुक्ला ने किया। संगोष्ठी के अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो. बी.एल शाह, कुमायुं विश्वविद्यालय नैनीताल, प्रो. सुरेन्द्र वर्मा देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इन्दौर, प्रो. आर.पी पाठक बी.एच.यू, संगोष्ठी निदेशक प्रो. सुधान्शु त्रिपाठी, संयोजक डा. एस. कुमार, आयोजन सचिव सुनील कुमार एवं डा. रमेश चन्द्र यादव आदि ने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में देश भर के सौ से अधिक शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

अमृत प्रभात

इलाहाबाद

भूमण्डलीकरण में बाजार हावी और नैतिक मूल्य हाशिये पर : न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी

वरिष्ठ संवाददाता

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर मंगलवार को 'भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुये मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी ने कहा कि भूमण्डलीकरण के इस दौर में बाजार हावी है और नैतिक मूल्य हाशिये पर चले गये हैं। न्यायमूर्ति मुरारी ने कहा कि साध्य के साथ साधन की पवित्रता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व में शान्ति प्रक्रिया स्थापित करने में गांधीवादी विचारों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उन्होंने कहा कि गांधी जी का चिन्तन कर्मशील भी है एवं व्यवहार पर आधारित है। महात्मा गांधी की विशेषता उनके कालजीवी होने में है। यही कारण है कि आज की प्रमुख परिस्थितियों की जटिलता ने गांधी जी को प्रासंगिक बना दिया है। कर्मनिष्ठ व्यक्ति के रूप में गांधी जी ने तात्कालिक समस्या के जो समाधान खोजे वे आज भी प्रासंगिक हैं। कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि गांधी चिंतन आज पूरे विश्व में पहुंच गया है। गांधी के विचारों से पूरा विश्व प्रभावित है। सत्य और अहिंसा स्वराज के दो स्तम्भ है। सारस्वत अतिथि

कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर के पूर्व कुलपति प्रो. केबी पाण्डेय ने कहा कि भूमण्डलीकरण के लक्ष्य का चिंतन करना आवश्यक है। वर्तमान समय राजनीति से प्रभावित है। गांधी चिंतन का सबसे बड़ा दस्तावेज हिन्द स्वराज है। हम सबके अंदर गांधी हैं। कोई यह नहीं कह सकता कि हम गांधी को नहीं जानते। प्रो0 पाण्डेय ने प्रश्न उठाया कि भूमण्डलीकरण में यदि तकनीक ने समय की बचत की है तो फिर हमारे पास समय क्यों नहीं है? सारस्वत अतिथि न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि आज गांधीजी के सोचने-समझने की क्षमता पर विचार करने की आवश्यकता है। कांग्रेस के नेताओं में देश को आजादी दिलाने के लिए विचार-मन्थन चल रहा था लेकिन महात्मा गांधी के आने के बाद ही हर व्यक्ति स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़ा। उन्होंने हर व्यक्ति को जनान्दोलन से जोड़ा। सारस्वत अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि गांधी चिंतन का मुख्य आधार सर्वोदय है। गांधी जी का मानना था सबका उदय, सबको शिक्षा, स्वास्थ्य और समस्त आर्थिक अवसर प्राप्त हो। उन्होंने कहा यह तभी संभव होगा जब संविधान, राज्य और प्रत्येक व्यक्ति दूसरे की पीड़ा को समझे। गांधीवादी चिन्तक एवं पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह ने अध्यक्षता करते हुये कहा कि गांधी चिंतन सिर्फ भारत नहीं बल्कि पूरे विश्व का चिंतन था। गांधी विश्व को परिवार मानते थे। उन्होंने कहा कि अब 'संकीर्ण राष्ट्रवाद के दिन समाप्त हो चुके हैं। संकीर्ण राष्ट्रीयता विज्ञान और आध्यात्मक विरुद्ध है। यदि अब हम मिलकर नहीं रह सकते तो हमारा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। इस अवसर पर न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय एवं न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र एवं इग्नू के समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 डी0 गोपाल द्वारा सम्पादित रीडिस्कवरिंग गांधी सीरिज के आठवें संस्करण का विमोचन किया। इस अवसर पर अतिथियों ने सेमिनार के ई-सोविनियर का विमोचन किया। शहीदों की याद में 11 बजे दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। संगोष्ठी के अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो0 बी0एल0 शाह, कुमांयु विश्वविद्यालय, नैनीताल, प्रो0 सुरेन्द्र वर्मा, देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इन्दौर, प्रो. आरपी पाठक, प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी, संयोजक डॉ. एस. कुमार, आयोजन सचिव सुनील कुमार एवं डॉ. रमेश चन्द्र यादव आदि ने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में देशभर के 100 से अधिक शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

लखनऊ, मेरठ, गाजियाबाद एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक

प्रभात

सीधी बात-सच्ची बात

प्रभात प्रकाशन का 74वां वर्ष

स्थापित 1944

01फरवरी 2018

भूमण्डलीकरण में बाजार हावी और नैतिक मूल्य हाशिये पर: न्यायमूर्ति

इलाहाबाद। प्रभात

भूमण्डलीकरण के इस दौर में बाजार हावी है और नैतिक मूल्य हाशिये पर चले गये हैं। साध्य के साथ साधन की पवित्रता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व में शान्ति प्रक्रिया स्थापित करने में गांधीवादी विचारों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

उक्त विचार मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर मंगलवार को "भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करने के उपरांत व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी का चिन्तन कर्मशील भी है एवं व्यवहार पर आधारित है। महात्मा गांधी की विशेषता उनके कालजीवी होने में है। यही कारण है कि आज की प्रमुख परिस्थितियों की जटिलता ने गांधी जी को प्रासंगिक बना दिया है। कर्मनिष्ठ व्यक्ति के रूप में गांधी जी ने तात्कालिक समस्या के जो समाधान खोजे वे आज भी प्रासंगिक हैं। कुलपति प्रो. एम.पी दुबे ने कहा कि गांधी चिंतन आज पूरे विश्व में पहुंच गया है। गांधी के विचारों से पूरा विश्व प्रभावित है। सत्य और अहिंसा स्वराज के दो स्तम्भ है। प्रो. दुबे ने सत्याग्रह, असहयोग, दांडीयात्रा के अनेक अनछुए पहलुओं पर चर्चा की और कहा कि जब विश्व के सभी समाज सीमा विहीन हो जायें तो भूमण्डलीकरण है। विश्व के समाज एक दूसरे से जुड़ते जाते हैं यही भूमण्डलीकरण है। सारस्वत अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. के.बी पाण्डेय ने कहा कि भूमण्डलीकरण के लक्ष्य का चिंतन करना आवश्यक है। वर्तमान समय राजनीति से प्रभावित है। गांधी चिंतन का सबसे बड़ा दस्तावेज हिन्द स्वराज है। कोई यह नहीं कह सकता कि हम गांधी को नहीं

जानते। प्रो. पाण्डेय ने प्रश्न उठाया कि भूमण्डलीकरण में यदि तकनीक ने समय की बचत की है तो फिर हमारे पास समय क्यों नहीं है?न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि आज गांधीजी के सोचने-समझने की क्षमता पर विचार करने की आवश्यकता है। कहा कि गांधीजी के विचार बहुत व्यापक रहते थे। उनके पास जो पत्र आते थे उसमें खाली स्थान पर वह नोट्स बनाने का काम करते थे। वह चीजों के सदुपयोग पर बल देते थे। न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि गांधी चिंतन का मुख्य आधार सर्वोदय है। गांधीजी का मानना था सबका उदय, सबको शिक्षा, स्वास्थ्य और समस्त आर्थिक अवसर प्राप्त हो। उन्होंने कहा यह तभी संभव होगा जब संविधान, राज्य और प्रत्येक व्यक्ति दूसरे की पीड़ा को समझे। न्यायमूर्ति नारायण ने कहा कि वर्तमान में आर्थिक समानता पर आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति प्रत्येक व्यक्ति को मिले। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि भूमण्डलीकरण राष्ट्रीय सीमाओं के बाहर बाजार को जोड़ने और खोलने की प्रक्रिया है, इसमें बहुत सी चुनौतियां भी हैं। भूमण्डलीकरण के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष हैं। इसके लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक है। कहा कि गांधीजी मानवता विहीन प्रौद्योगिकी के पक्ष में नहीं थे। गांधीजी मानते थे कि जितनी कम आवश्यकताएं मनुष्य की होगी उतना श्रेष्ठ समाज बनेगा और शांति आएगी। प्रकृति ने मनुष्य की आवश्यकताओं के लिए बहुत कुछ दिया है। उन्होंने अवसरों की समानता पर बल दिया।

राष्ट्रीय
सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

बाजार हावी, नैतिक मूल्य हाशिये पर

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

इलाहाबाद।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि में शहीद दिवस पर 'भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन' पर आयोजित राष्ट्रीय

'भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

संगोष्ठी के दौरान पुस्तक का विमोचन करते अतिथि। फोटो : इलाहाबाद

संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुये मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी ने कहा कि भूमण्डलीकरण के इस दौर में बाजार हावी है और नैतिक मूल्य हाशिये पर चले गये हैं।

न्यायमूर्ति मुरारी ने कहा कि साध्य के साथ साधन की पवित्रता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व में शान्ति प्रक्रिया स्थापित करने में गांधीवादी विचारों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि गांधी चिंतन आज पूरे विश्व में पहुंच गया है। गांधी के विचारों से पूरा विश्व प्रभावित है। सत्य और अहिंसा स्वराज के दो स्तम्भ हैं। कानपुर विवि के पूर्व कुलपति प्रो. केबी पाण्डेय ने कहा कि भूमण्डलीकरण के लक्ष्य का चिंतन करना आवश्यक है। वर्तमान समय राजनीति से प्रभावित है। गांधी चिंतन का सबसे बड़ा दस्तावेज हिन्द स्वराज है। न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि आज गांधी जी के सोचने-समझने की क्षमता पर विचार करने की आवश्यकता है। कांग्रेस के नेताओं में देश को आजादी दिलाने के लिए विचार-मन्थन चल रहा था लेकिन महात्मा गांधी के आने के बाद ही हर व्यक्ति स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़ा। न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि गांधी चिंतन का मुख्य आधार सर्वोदय है। गांधी जी का मानना था सबका उदय, सबको शिक्षा, स्वास्थ्य और समस्त आर्थिक अवसर प्राप्त हो। सारस्वत अतिथि इलाहाबाद राज्य विवि के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि भूमण्डलीकरण राष्ट्रीय सीमाओं के बाहर बाजार को जोड़ने और खोलने की प्रक्रिया है। इसमें बहुत सी चुनौतियां भी हैं।

गांधीवादी चिन्तक एवं पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह ने अध्यक्षता करते हुये कहा कि गांधी किसी सिर्फ भारत नहीं बल्कि पूरे विश्व का चिंतन था। गांधी विश्व को परिवार मानते थे। अब संकीर्ण राष्ट्रवाद के दिन समाप्त हो चुके हैं। इविवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र ने कहा कि आज वैश्वीकरण की अवधारणा बहुत अच्छी है लेकिन चुनौती यही है कि बुरी चीजों को आत्मसात कर रहे हैं और अच्छी चीजों का त्याग कर रहे हैं। आज गांवों में नौजवान पलायन कर रहे हैं। संगोष्ठी का बीज भाषण देते हुये मुख्य वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के प्रो. केसी पाण्डेय ने कहा कि आज भूमण्डलीकरण और उत्तर आधुनिकता की दो धाराएं समान्तर चल रही हैं। एक में प्रवाह केन्द्रीयकरण की ओर है तो दूसरे में स्थानीयकरण की ओर। सेमिनार की विषय वस्तु संयोजी निदेशक प्रो. सुधांशु त्रिपाठी ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ. रामजी मिश्र व धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. जीएस शुक्ल ने किया। इस मौके पर न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय एवं न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने इविवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र एवं इग्नू के समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. डी गोपाल द्वारा सम्पादित रीडिस्कवरिंग गांधी सीरिज के आठवें संस्करण का विमोचन किया। इस अवसर पर अतिथियों ने सेमिनार के ई-सोविनियर का भी विमोचन किया।

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

भूमंडलीकरण में बाजार हावी, नैतिक मूल्य हाशिए पर: कृष्ण मुरारी

पायनियर समाचार सेवा। इलाहाबाद

प्रो. आर पी मिश्र की गांधी सीरीज के आठवें संस्करण का विमोचन करते अतिथि

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर मंगलवार को "भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उदघाटन करते हुये मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी ने कहा कि भूमण्डलीकरण के इस दौर में बाजार हावी है और नैतिक मूल्य हाशिये पर चले गये हैं। न्यायमूर्ति मुरारी ने कहा कि साध्य के साथ साधन की पवित्रता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व में शान्ति प्रक्रिया स्थापित करने में गांधीवादी विचारों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। गांधी का चिन्तन कर्मशील भी है एवं व्यवहार पर आधारित है। महात्मा गांधी की विशेषता उनके कालजीवी होने में है। यही कारण है कि आज की प्रमुख परिस्थितियों की जटिलता ने गांधी को प्रासंगिक बना दिया है। कर्मनिष्ठ व्यक्ति के रूप में गांधी ने तात्कालिक समस्या के जो समाधान खोजे वे आज भी प्रासंगिक हैं।

कुलपति प्रो. एम पी दुबे ने अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि गांधी चिंतन आज पूरे विश्व में पहुंच गया है। गांधी के विचारों से पूरा विश्व प्रभावित है। सत्य और अहिंसा स्वराज के दो स्तम्भ हैं। प्रो. दुबे ने सत्याग्रह, असहयोग, दांडी यात्रा के अनेक अनछुए पहलुओं की चर्चा की। उन्होंने कहा कि जब विश्व के सभी समाज सीमा विहीन हो जायें तो भूमण्डलीकरण है। विश्व के समाज एक दूसरे से जुड़ते जाते हैं, यही भूमण्डलीकरण है।

सारस्वत अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय कानपुर के पूर्व कुलपति प्रो. के बी पाण्डेय ने कहा कि भूमण्डलीकरण के लक्ष्य का चिंतन करना आवश्यक है। वर्तमान समय राजनीति से प्रभावित है। गांधी चिंतन का सबसे बड़ा दस्तावेज हिन्द स्वराज है। हम सबके अंदर गांधी हैं। कोई यह नहीं कह सकता कि हम गांधी को नहीं जानते। प्रो. पाण्डेय ने प्रश्न उठाया कि भूमण्डलीकरण में यदि तकनीक ने समय की बचत की है तो फिर हमारे पास समय क्यों नहीं है। सारस्वत अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि गांधी चिंतन का मुख्य आधार सर्वोदय है। गांधी का मानना था सबका उदय, सबको शिक्षा, स्वास्थ्य और समस्त आर्थिक अवसर प्राप्त हो। उन्होंने कहा यह तभी संभव होगा जब संविधान, राज्य और प्रत्येक व्यक्ति दूसरे की पीड़ा को समझें। न्यायमूर्ति नारायण ने कहा कि वर्तमान में आर्थिक समानता पर आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति प्रत्येक व्यक्ति को मिले। इस अवसर पर न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय एवं न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आर पी मिश्र एवं इग्नू के समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. डी गोपाल द्वारा सम्पादित रीडिस्कवरिंग गांधी सीरीज के आठवें संस्करण का विमोचन किया। इस अवसर पर अतिथियों ने सेमिनार के ई सोविनियर का विमोचन किया।

शहीदों की याद में 11 बजे दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
UNITED ESTABLISHED 1985
संस्थापक
स्व. श्री शिवरामदास गुलाटी
युनाइटेड भारत
इलाहाबाद, बुधवार 31 जनवरी 2018- मूल्य 1.50 रुपया, पृष्ठ 8
इलाहाबाद से प्रकाशित RNI UP HIN/2001/2941 AD/227/09-15-17 वर्ष 18 ■ अंक 30

भूमण्डलीकरण में नैतिक मूल्य हाशिये पर: जस्टिस कृष्णमुरारी

इलाहाबाद, ३० जनवरी। भूमण्डलीकरण के इस दौर में बाजार हावी है और नैतिक मूल्य हाशिये पर चले गये हैं। साध्य के साथ साधन की पवित्रता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व में शान्ति प्रक्रिया स्थापित करने में गांधीवादी विचारों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उक्त विचार मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर मंगलवार को "भूमण्डलीकरण एवं गांधी चिंतन" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करने के उपरांत व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी का चिन्तन कर्मशील भी है एवं व्यवहार पर आधारित है। महात्मा गांधी की विशेषता उनके कालजीवी होने में है। यही कारण है कि आज की प्रमुख परिस्थितियों की जटिलता ने गांधी जी को प्रासंगिक बना दिया है। कर्मनिष्ठ व्यक्ति के रूप में गांधी जी ने तात्कालिक समस्या के जो समाधान खोजे वे आज भी प्रासंगिक हैं।

कुलपति प्रो. एम.पी दुबे ने कहा कि गांधी चिंतन आज पूरे विश्व में पहुंच गया है। गांधी के विचारों से पूरा विश्व प्रभावित है। सत्य और अहिंसा स्वराज के दो स्तम्भ है। प्रो. दुबे ने सत्याग्रह, असहयोग, दांडीयात्रा के अनेक अनछुए पहलुओं पर चर्चा की और कहा कि जब विश्व के सभी समाज सीमा विहीन हो जायें तो भूमण्डलीकरण है। विश्व के समाज एक दूसरे से जुड़ते जाते हैं यही भूमण्डलीकरण है।

सारस्वत अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. के.बी पाण्डेय ने कहा कि भूमण्डलीकरण के लक्ष्य का चिंतन करना आवश्यक है। वर्तमान समय राजनीति से प्रभावित है। गांधी चिंतन का सबसे बड़ा दस्तावेज हिन्द स्वराज है। कोई यह नहीं कह सकता कि हम गांधी को नहीं जानते। प्रो. पाण्डेय ने प्रश्न उठाया कि भूमण्डलीकरण में यदि तकनीक ने समय की बचत की है तो फिर हमारे पास समय क्यों नहीं है?

15.

दिनांक 30 जनवरी, 2018 को विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र शिव हर्ष किसान पी0जी0 कालेज, बस्ती में छात्रे एवं छात्राओं को योग प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। योग प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियां :–